卐 श्री सदगुरू देवाय नम: 卐 卐 ओ३म् 卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐ॐ 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवह्निं जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 23 ♦अंक 304 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦शुक्रवार ♦11 अगस्त 2023 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com | 9897427585 | UTTARANCHAL DARPAN | www.uttaranchaldarpan.in

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444262
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

खत्म होगा राष्ट्रद्रोह कानून

गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में पेश किये संशोधन बिल

नई दिल्ली (उद ब्यूरो)। संसद के मानसून सत्र के अंतिम दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023 भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक पर कहा कि 1860 से 2023 तक देश की आपराधिक न्याय प्रणाली अंग्रेजों द्वारा बनाए गए कानूनों के अनुसार कार्य करती रही। तीन कानून बदल जाएंगे और देश में आपराधिक न्याय प्रणाली में बड़ा बदलाव होगा। इस विधेयक के तहत हमने लक्ष्य रखा है कि सजा का अनुपात 90% से ऊपर ले जाना है। इसीलिए, हम एक महत्वपूर्ण प्रावधान लाए हैं कि जिन धाराओं में 7 साल या उससे अधिक जेल की सजा का प्रावधान है, उन सभी मामलों में फॉरेंसिक टीम का अपराध स्थल पर जाना अनिवार्य कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कानून के तहत हम राजद्रोह जैसे कानूनों को निरस्त कर रहे हैं। शाह ने कहा कि तीनों कानूनों को रिप्लेस कर के इनकी जगह तीन नए कानून जो बनेंगे, उनकी भावना होगी भारतीयों को अधिकार देने की। इन कानूनों का उद्देश्य किसी को दंड देना नहीं होगा। इसका उद्देश्य होगा लोगों को न्याय देना। (शेष पृष्ठ सात पर)

अतीक और अशरफ हत्या काण्ड पर सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली (उद ब्यूरो)। सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस कस्टडी में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के मामले में यूपी सरकार से रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने सरकार के ढीले रवैये पर नाराजगी जताई और कहा- हम जानना चाहते हैं कि जांच में अब तक क्या हुआ? मुकदमे किस चरण तक पहुंचे हैं? सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार से यह भी पूछा कि अतीक के दो नाबालिग बेटों को न्यायिक हिरासत में क्यों रखा गया है? अगर वो किसी अपराध में शामिल नहीं हैं तो उन्हें रिश्तेदारों को क्यों नहीं सौंपा जा सकता? बता दें कि माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल को प्रयाग राज में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस कस्टडी में (शेष पृष्ठ सात पर)

बोलेरो नदी में गिरने से छह पुलिस कर्मियों की मौत

चंबा (उद ब्यूरो)। हिमांचल प्रदेश के चंबा जिले में बोलरो नदी में गिरने से चालक सहित छह पुलिस कर्मियों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। हादस तीसा-बैरागढ़ मार्ग पर तरवाई पुल के पास हुआ। जानकारी के अनुसार चंबा जिले के तीसा थाना क्षेत्र में पुलिस जवानों से भरी एक बोलेरो जीप अनियंत्रित होकर खाई में लुढ़कने के बाद सियोल नदी में जा गिरी। इस हादसे में वाहन में सवार आठ जवानों के मरने की खबर है। वहीं 3 लोग घायल बताए जा रहे हैं। चंबा के एसपी अभिषेक यादव ने बताया कि शुक्रवार सुबह हुए इस दर्दनाक हादसे में वाहन में सवार छह लोग मारे गए हैं। मृतकों में चालक और पांच पुलिस कर्मी हैं। चार लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल में (शेष पृष्ठ सात पर)

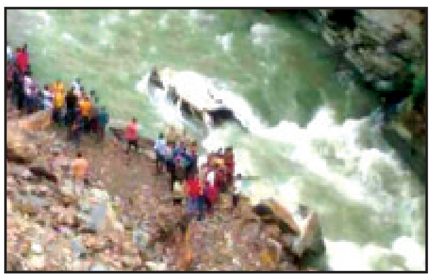

बार अध्यक्ष की गिरफ्तारी के खिलाफ फूटा अधिवक्ताओं का गुस्सा

काशीपुर बार एसोसिएशिन अध्यक्ष की गिरफ्तारी पर किया कार्य बहिष्कार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। काशीपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय चौध री की पुलिस द्वारा की गई गिरफ्तारी के विरोध में आज जिला बार एसोसिएशन के बैनर तले सैकड़ों अधिवक्ताओं ने अध्यक्ष एमपी तिवारी के नेतृत्व में जिला न्यायालय परिसर में पुलिस के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर एक दिवसीय कार्य बहिष्कार किया। इससे पूर्व एसोसिएशन की आयोजित हुई बैठक में वक्ताओं ने कहा कि काशीपुर पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के दौरान जिस प्रकार से हाई कोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन किया गया है उसे किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। साथी अधिवक्ता द्वारा इतना बड़ा अपराध नहीं किया गया था कि उन्हें तत्काल गिरफ्तार करने की नौबत आ पडी। आज समाज में कई बड़े अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं जिन्हे पुलिस गिरफ्तार करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता कानून की व्याख्या करता है। ऐसे में वह कानून के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेगा। यदि उनकी पुलिस के साथ कोई बहस हुई है तो यह इतना बड़ा अपराध नहीं है कि उन्हें घर से उठाकर गिरफ्तार कर लिया जाये। बैठक को कई अधिवक्ताओं ने सम्बोधित किया। इसके पश्चात सभी अधिवक्ता अध्यक्ष एमपी तिवारी के नेतृत्व में न्यायालय परिसर में जिला न्यायाधीश सहित कई न्यायाधीश के कक्षों में गये जहां उन्होंने मामले से अवगत कराते हुए एक दिवसीय कार्य बहिष्कार की जानकारी दी। इस दौरान एसोसिएशन की सचिव सुशीला मेहता, उप सचिव कमल तड़वाल, उपाध्यक्ष (शेष पृष्ठ सात पर)

संदिग्ध महिला की तलाश में जुटी पुलिस

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। खेड़ा बस्ती में फर्जी मध्य प्रदेश पुलिस कर्मी के कमरे से पुलिस द्वारा एक माउजर गन बरामद करने के पश्चात अब उसके साथ रहने वाली संदिग्ध महिला की तलाश में जुट गई है। ज्ञात हो कि विगत दिवस पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक स्वयं को पुलिस कर्मी बताकर लोगों को धमका रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस ने खेड़ा बस्ती स्थित एक मकान में औचक दबिश दी। इस दौरान मौके से भाग रहे एक युवक को पुलिस ने पकड़ लिया था। तलाशी लेने पर उनके कमरे से पुलिस ने एमपी (शेष पृष्ठ सात पर)

स्मैक के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान एक नशा तस्कर को अवैध स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार वउनि अर्जुन गिरी साथी पुलिस कर्मियों कानि. 1137 अमित जोशी, विशाल रावत, हेम फुलारा, हयात चन्द्र के रात्रि गश्त करते हुए ग्राम अमरपुर की तरफ जा रहे थे तो पुलिया के पास एक संदिग्ध व्यक्ति खडा दिखाई दिया। पुलिस कर्मियो को देखकर वह भागने लगा। जिस पर पुलिस कर्मियों ने पीछा कर कुछ दूरी पर उसे पकड लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता खेम सिह पुत्र जंगीर सिह निवासी भोगपुर डाम तीरथनगर गुरुद्वारा नंबर 3 थाना जसपुर हाल निवासी ग्राम अमरपुर बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल शुद्ध 8.68 ग्राम अवैध स्मैक तथा 540 रूपये नगद बरामद हुए। पूछताछ में उसने बताया कि यह स्मैक मोन्टी उर्फ अग्रेज सिह पुत्र हरवंश सिह ने बेचने के लिए दी है। जो पुलिस को देखकर मोटर साईकिल से भाग गया है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करने के बाद स्मैक कब्जे में लेकर खेम सिंह के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया।

फरार शातिर गैंगस्टर और हिस्ट्रीशीटर किया गिरफ्तार

किच्छा (उद संवाददाता)। पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलभट्टा पुलिस को शातिर अपराधी आकाशदीप उर्फ आकाश पुत्र मनजीत सिंह निवासी पंजाबी कॉलोनी बरा थाना पुलभट्टा के बारे में मुखबिर से सूचना मिली कि वह सितारगंज हाईवे पर साधु ढाबे के पीछे खेत में छिपा है। सूचना पर चौकी बरा से पुलिसकर्मियों द्वारा घेराबंदी कर अभियुक्त को खेत से ही धर दबोचा। अभियुक्त (शेष पृष्ठ सात पर)

ੴ
ਜੇਹਾ ਚੀਰੀ ਲਿਖਿਆ ਤੇਹਾ ਹੁਕਮੁ ਕਮਾਹਿ ਘਲੇ ਆਵਹਿ ਨਾਨਕਾ ਸਦੇ ਉਠੀ ਜਾਹਿ ॥

भोग एवं अन्तिम अरदास

बड़े दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्यनीय हरदिल अजीज **स. दलजीत सिंह खरबन्दा जी** का आकस्मिक निधन दिनाँक 07/08/2023 को हो गया है। जिनकी आत्मिक शांति के लिए रखे गये **श्री अखण्ड पाठ साहिब जी के भोग एवं अन्तिम अरदास दिनांक 12 अगस्त 2023 दिन शनिवार** को प्रात: 11 बजे से 1 बजे तक स्थान **गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा, गोल मार्केट, रुद्रपुर** में सम्पन्न होगी।

शोकाकुल परिवार

जसविन्दर कौर खरबन्दा (पत्नी)
जसविन्दर सिंह खरबन्दा 'लक्की' (भाई)
स्व. मंजीत सिंह खरबन्दा-विशाखा कौर (पुत्र-पुत्रवधु)
बलजीत सिंह खरबन्दा-जगजीत कौर (पुत्र-पुत्रवधु)
एवं समस्त समूह सगे सम्बन्धी रिश्तेदार एवं खरबन्दा परिवार
मो. 7060022276

जलभराव के खिलाफ पालिका में धरने पर बैठे वार्डवासी

किच्छा (उद संवाददाता)। नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत सोनेरा वार्ड नंबर 2 में जलभराव को लेकर सैकड़ों वार्ड वासियों ने नगर पालिका में जमकर हंगामा काटा और नारेबाजी करते हुए जलभराव से निजात दिलाकर सड़क निर्माण की मांग की। नगर पालिका में धरना देने से पूर्व सुहरा वार्ड के लोगों ने आजाद नगर रोड पर जाम लगाकर जमकर नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। वार्ड निवासियों ने भाजपा वार्ड सभासद के पति राजकुमार कोहली के नेतृत्व में अपनी वार्ड की समस्याओं को लेकर नगरपालिका आकर धरना दिया तथा नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सभासद पति ने बताया कि वह भाजपा के कार्यकर्ता हैं तथा उनकी पत्नी भाजपा के चुनाव चिन्ह पर सभासद चुनी गई थी जिस वजह से नगर पालिका वार्ड के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्षों में नगर पालिका में वार्ड नंबर 2 में एक भी कार कार्य नहीं कराया तथा वार्ड की गलियों में सड़कों का निर्माण न होने के कारण जलभराव हो जा रहा है जिससे आवाजाही में वार्ड वासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है किंतु बार-बार सड़क नाली (शेष पृष्ठ सात पर)

बजट की कमी से अटके हैं काम: कोली

किच्छा (उद संवाददाता)। नगर पालिका अध्यक्ष दर्शन सिंह कोली ने कहा कि नगर पालिका द्वारा चालू वित्त वर्ष में अपने संसाधनों से 3 करोड़ 15 लाख का निर्माण कार्य सड़क नाली के रूप में कराया है। इसके (शेष पृष्ठ 7पर)

स्व.किशोरी लाल की पुण्यतिथि पर किया रक्तदान

गदरपुर(उद संवाददाता)। वरिष्ठ समाजसेवी स्व. किशोरीलाल पोपली पुत्र स्व. माला राम पोपली की पुण्यतिथि पर गुरुद्वारा श्री गुरु सिंघ सभा में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर का

शुभारंभ भाई राजेंद्र सिंह द्वारा गुरबाणी पाठ एवं अरदास के उपरांत किया गया ।सर्वप्रथम स्व.किशोरीलाल पोपली की धर्मपत्नी फूलारानी ,भाजपा जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा, मंडल अध्यक्ष सुरेश खुराना ,गुलशन पोपली, सोनू पोपली ,संदीप पोपली,राजकुमार पोपली द्वारा दिवंगत किशोरी लाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि भेंट की गई। रक्तदान शिविर में 3 दर्जन से अधिक रक्तदाताओं ने रक्तदान करके पुनीत कार्य किया शिविर में श्री कृष्णा हॉस्पिटल काशीपुर उधम सिंह नगर द्वारा 'सोचो डिफरेंट' संस्था के सौजन्य से लगाए गए रक्तदान शिविर में रक्त दान करने वाले समाजसेवियों का परिवार द्वारा धन्यवाद किया गया। शिविर में नेहा पोपली द्वारा पहली बार रक्तदान करके भविष्य में भी रक्तदान का संकल्प लिया। इस दौरान डॉ.मयंक अग्रवाल रक्तदान प्रभारी प्रदीप चौधरी,गिरीश कुमार, उत्कर्ष, आदिल, आरती एवं हसीन रिजवी के अलावा पंकज सेतिया,मनोज गुंबर, संदीप चावला, विकास भुसरी, राजकुमार सिंधी,निपुण गगनेजा, राकेश भुड्डी, संतोष गुप्ता ,मंगत पोपली, विनोद चुघ, जगजीत सिंह ,मनोज पोपली, मोनू सिंधी, आदर्श पोपली, जगदीश पोपली, सतीश पोपली, पारस पॉपली, जसवंत पोपली, चमन लाल पोपली, रोहित पोपली, मनोज पोपली, आदर्श पॉपली, सुरेंद्र पोपली, अशोक पोपली, सीमा पोपली,रिया गुंबर, राजरानी पोपली, नैना पोपली,किरण पोपली ,ममता पोपली,शिल्पा पोपली सहित अन्य लोग शामिल रहे।

शक्तिफार्म में जलभराव से लोग बेहाल

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। बैगुल नदी में बुधवार को आई बाढ़ का पानी तो कम हो गया है। लेकिन अरविंद नगर झाड़ी के सात,आठ व नौ नम्बर गांव मे अभी भी बाढ़ का पानी भरा है। ज्यादातर लोगों के घरों में भी पानी भरा हुआ है। तहसील प्रशासन द्वारा टीम भेजकर प्रभावितों की सूची तैयार की जा रही है। बाढ़ राहत शिविरों में प्रभावित लोग शरण लिए हुए हैं। बुधवार को बैगुल नदी में आई भीषण बाढ़ का पानी अरविंद नगर झाड़ी के 7,8 व 9 नवंबर गांव में भर गया था। लोगों के घरों मे तीन चार फुट तक पानी भर जाने के बाद प्रशासन द्वारा नाव के जरिए उन्हें गांव से निकलकर राहत शिविरों में ठहराया गया। गुरुवार को बैगुल नदी में बाढ़ का पानी तो कम हो गया लेकिन अरविंद नगर झाड़ी इन तीन

गांव में अभी भी बाढ़ का पानी भरा है। ज्यादातर लोगों के घरों मे भी पानी भरा हुआ है। लोग गुरुवार को भी राहत शिविरों मे शरण लिए हुए हैं प्रशासन द्वारा बुधवार से इनके खाने पीने की व्यवस्था की जा रही है। बाढ़ के पानी में इस क्षेत्र के किसानों के 500 एकड़ से ज्यादा धान की फसल पानी में डूबा है। पटवारी दीपक सिंह क्षेत्र में पहुंचकर बाढ़ प्रभावितों की सूची तैयार करने में जुटे हैं।

मित्रता का अर्थ स्वार्थ नही बल्कि सहयोग व समर्पण है: सुरेन्द्र शास्त्री

रामनगर(उद संवाददाता)। रामनगर-काशीपुर मार्ग स्थित पीपलसाना, हल्दुआ मे नागेश्वर धाम, शिवहरि कालोनी में श्रीमद भागवत का समापन प्रसाद व भण्डारे

के साथ किया गया। सदगुरू भोलानन्द सरस्वती महाराज की प्रेरणा से भव्य तरीके से हुये कार्यक्रम मे कथा वाचक सुरेन्द्र कृष्ण शास्त्री (नागेश्वर धाम) ने श्रीमद भागवत जी के 10 स्कंध को श्रीमद भागवत जी का प्राण बताते हुये उसका व सुदामा के चरित्र एवं श्री कृष्ण व सुदामा की निश्छल मित्रता का वर्णन करते कहा कि मित्रता का अर्थ स्वार्थ नही बल्कि सहयोग और समर्पण होना चाहिये। श्रीमद् भागवत का रसपान पाने के लिये भक्तो का सैलाब उमड़ पड़ा तथा कथावाचक श्री शास्त्री के द्वारा किये गये भावविभोर वर्णन को सुनकर सभी भक्तगण आत्म विभोर हो गये। इस मौके पर प्रकाश नैनवाल, रघुवर अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, भुवन चन्द्र भट्ट, पवन भट्ट, किरन भट्ट, दान सिंह रावत, डॉ. एसएस बिष्ट, मीनाक्षी भट्ट, वीपी सिंह, शेर सिंह रावत सहित बड़ी संख्या मे भक्तगण मौजूद रहे।

भाजयुमो कार्यकर्ता अक्षय मंडल का निधन

शक्तिफार्म (उद संवाददाता)। नगर के ग्रामसभा गोविंद नगर पड़ागांव निवासी भाजुयमो कार्यकर्ता अक्षय मण्डल का ऋषिकेश में उपचार के दौरान गुरूवार को

निधन हो गया। अक्षय मण्डल भाजपा युवा मोर्चा व बंगाली महासभा के निष्ठावान कार्यकर्त्ता रहे हैं। मिलनसार व्यवहार के धनी अक्षय के निधन से पार्टी कार्यकर्ता और ग्रामीण स्तम्भ हैं। वहीं अक्षय के परिवार में कोहराम मचा है। अक्षय ने कम उम्र में ही अपने ग्रामसभा व क्षेत्र में अच्छी पहचान बना ली थी। सामाजिक कार्यों में सदैव तत्पर रहने वाले अक्षय अपने पीछे पूरे परिवार को रोता बिलखता छोड़कर चलें गये।उनके निधन पर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा,डी सी बी चेयरमैन गोपाल रावत,नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील विश्वास, संजय बाछाड़ ,विश्वजीत हालदार, अशोक मण्डल,रवि मजुमदार,विष्णु प्रमाणिक,निरंजन हीरा,अनुप सरकार,मयंक अग्रवाल,कार्तिक राय,गोविंद पोखरिया, मुकुल पोद्दार,गोविंद सरकार,विक्रम भंडारी,उत्तम दास ने शोक व्यक्त किया है।

छात्र-छात्राओं ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

गदरपुर(उद संवाददाता)। राजकीय महाविद्यालय गदरपुर के स्टाफ एवं छात्र- छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान समिति के तत्वधान में आगामी चुनावों में मतदान करने हेतु एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। आयोजित रैली का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना द्वारा किया गया। रैली द्वारा लोगों को आवश्यक रूप से मतदान करने हेतु प्रेरित किया गया तथा महाविद्यालय छात्र- छात्राओं द्वारा उन्हें वोट के महत्व

के बारे में पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से जागरूक करने का पुनीत कार्य किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मतदाता जागरूकता समिति के कैंपस एंबेसडर डॉ.हरि प्रसाद, डॉ.प्रभजोत कौर,डॉ.प्रमोद वर्मा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में मनोज पनेरु,नीतू सिंह तथा महाविद्यालय के सभी छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।

उद्योग लगने से मिलता है रोजगार: बंसल

सितारगंज(उद संवाददाता)। नगर में सरताज इंडस्ट्रीज का उद्घाटन वरिष्ठ उद्योगपति कुमाऊं गढ़वाल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज उत्तराखंड के अध्यक्ष अशोक बंसल ने फीता काटकर किया। बंसल ने कहा की उद्योग व्यापार की रीड है स्थानीय स्तर पर उद्योगो के लगने से रोजगार के अवसर खुलते हैं और उत्पादों के

बनने पर आस पास की मार्किट में बेहतरीन व कम रेटों पर लोगों को लाभ मिलता है व शहर का विकास होता है। इंडस्ट्रीज के एम डी देवेंद्र सिंह ने बताया की इस मौके पर गुरु ग्रन्थ साहिब बैठालकर सुखमणि साहब का गुरबाणी पाठ भी ग्रंथि द्वारा किया गया। इस मौके पर दलजिनदर सिंह,हरप्रीत सिंह,अजीत सिंह जोशन, पलविंदर सिंह,रमेश गोयल,महेश मित्तल,रितेश गोयल, गुरमीत सिंह,मंजीत सिंह,चरणजीत सिंह चन्ना, सन्नी सलूजा, राजेश शैली,गुरविंदर सोनू,राजाराम सिंघल,यासीन सैफी आदि लोग रहे।

द्वितीय विशाल तिरंगा यात्रा में सहभागी बनें समस्त क्षेत्रवासी: सुशील गाबा

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।भाजपा नेता सुशील गाबा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में समस्त क्षेत्रवासियों से आगामी 13 अगस्त, दिन रविवार को ट्रांजिट कैंप से टाइम से निकलने जा रहे द्वितीय विराट भव्य तिरंगा यात्रा में उपस्थित रहने की अपील की। जारी बयान

में भाजपा नेता सुशील गाबा ने बताया कि 13 अगस्त दिन रविवार को दोपहर बाद 3:30 बजे ट्रांजिट कैंप के फुटबॉल मैदान मैं हजारों की संख्या में स्थानीय क्षेत्रवासी जुटेंगे। इस तिरंगा यात्रा में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा पर्यटन राज्यमंत्री अजय भट्ट शामिल रहेंगे। इस भव्य कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक शिव अरोरा करेंगे, जबकि कार्यक्रम संयोजक उत्तरी मंडल भाजपा अध्यक्ष धीरेश गुप्ता हैं। श्री गाबा ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 13 अगस्त की शाम 3.30 बजे से तिंरगा यात्रा फुटबॉल मैदान ट्रांजिट कैम्प फुटबाल मैदान से प्रारंभ होते हुए गोल मड्डिया, शिवनगर, झील के पास से डीडी चौक होते हुए अग्रसेन चौक मुख्य बाजार बाटा चौक से गांधी पार्क में जाकर समापन होगी।इस तिरंगा यात्रा में देशभक्ति, सामाजिक दृश्यों की झांकियां भी प्रदर्शित होंगी। विभिन्न जगहों पर झांकियां का स्वागत होगा। श्री गाबा ने समस्त क्षेत्र वासियों से अपील की कि इस तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। सिडकुल सितारगंज में कार्यरत एक युवक गुरुवार सुबह घर पर अचेत अवस्था में मिला। परिजन उसे सीएचसी सितारगंज ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार गुरुग्राम निवासी केना

अलमान (24) पुत्र विकास अलमान सिडकुल स्थित एक कंपनी में कार्यरत था। बुधवार की रात आठ बजे ड्यूटी समाप्त होने पर वह अपनी बाइक से घर के लिए निकला। घर पहुंच कर उसने अपनी मां देवला अलमान से कहा कि आते समय रात के अंधेरे में अचानक रास्ते में दो सांड को देख वह काफी घबरा गया था। मां ने उसकी हिम्मत बढ़ाई और खाना खिलाया। बताया जाता है कि खाना खाने के बाद केना अपने कमरे में जाकर सो गया। सुबह देर तक न जागने पर परिजनों ने उसके कमरे में जाकर देखा तो केना अपने बिस्तर पर अचेत पड़ा था। आनन फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। केना ने कई वर्षों तक अखवार वितरण का काम भी किया था। जवान बेटे के खोने से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

भीमताल के पिनरों गांव में कृषि विभाग ने की खेतों में सिंचाई की व्यवस्था

नैनीताल(उद संवाददाता)। पिनरों ग्राम विकास खण्ड भीमताल, जनपद नैनीताल के पूर्वी सीमा में बसा हुआ सीमान्त ग्राम है, जिसमें 155 परिवार निवास करते है सभी का मुख्य व्यवसाय कृषि अथवा कृषि से सम्बन्धित कार्य है। गाँव में लगभग 20 प्रतिशत अनु0 जाति के परिवार है, जो कि गाँव के सल्यूड़ा तोक में अधिकांशत निवास करते है, गाँव के कृषक मुख्य रूप से सब्जी उत्पादन पर निर्भर है, यहाँ पर मटर, हरी मिर्च, बैंगन, शिमला मिर्च, गोभी, धनिया, टमाटर आलू एवं फ्रेंचबीन आदि, सब्जियों का अच्छा उत्पादक किया जाता है। धान्य फसलों में गेहूँ एवं जौ तथा कुछ क्षेत्र में धान भी उगाया जाता है ग्राम पिनरों का अधिकांश क्षेत्र असिंचित है, विगत कुछ वर्षों में कृषि विभाग द्वारा सिंचाई टैंक निर्माण कर तथा पाईप वितरण द्वारा सिंचक क्षमता में वृद्धि की है।मुख्य कृषि अधिकारी डा0 बी0के0एस0 यादव ने बताया कि पिनरों ग्राम में ग्रामवासियों द्वारा जो कार्य

प्राथमिकता के आधार पर करने की माँग की गई उनमें जंगली जानवरों से सुरक्षा हेतु घेरबाड़ करना था। इस हेतु अनुसूचित जाति बहुल तोक सल्यूड़ा में लगभग 1100 मीटर घेरबाड़ बनवाई गई है। जिससे कृषकों को जंगली जानवरों से बहुत सुरक्षा मिली है इसी तरह तोक धूरा व अन्य क्षेत्रों हेतु कृषकों की माँग पर सामूहिक रूप से चेनलिंक फेन्सिंग 3000 मीटर उपलब्ध करायी गई है जिसका सकारात्मक प्रभाव तुरन्त दिखने लगा है, कृषकों को इस सुरक्षा के कारण लगभग 30 प्रतिशत लाभ सब्जी उत्पादन में मिला है। उन्होंने बताया कि विगत 5 वर्षों में गाँव में 3 एफ0एम0बी0 स्थापित किए जा चुके है। जिससे कृषकों को कम लागत व कम समय में कृषि कार्य करने में मदद मिल रही है जिसका प्रभाव कृषि उत्पादन व कृषकों की आय वृध्द्व के रूप में स्पष्ट दिखाई देने लगा है। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत रूप से भी कृषकों ने यन्त्रीकरण का लाभ लिया है। मुख्य कृषि अधिकारी के अनुसार क्षेत्र में नमी एववं सिंचन क्षमता बढ़ाने हेतु किये गये कार्य किये गये है। जिस तरह अमृत सरोवर निर्माण - ग्राम पिनरों के तोक धूरा में गाँव के ऊपरी क्षेत्र में वर्ष 2022-23 में 32 मीटर 10 मीटर 1.30 मीटर आकार का सरोवर बनाया गया है जो वर्षा के जल का संग्रहित कर कृषि भूमि का नमी उपलब्ध कराने का काम कर रहा है। असिंचित कृषि क्षेत्र के लिए यह नमी अमृत का कार्य कर रही है।

अलग-अलग मामलों में 11 वांछित वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

काशीपुर(उद संवाददाता)। अलग-अलग मामलों में पिछले लंबे समय से फरार चल रहे 11 वारंटियों को पुलिस ने सूचना के आधार पर दबिश देकर गिरफ्तार करते हुए जरूरी पूछताछ के बाद उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। जानकारी के मुताबिक मोहल्ला अल्ली खां निवासी हाजरा पत्नी जमील मारपीट व जान से मारने की धमकी देने की एक मामले में लंबे समय से फरार चल रही थी। इसी तरह उपरोक्त मोहल्ला निवासी नईम अहमद पुत्र जमील अहमद, फहीम अहमद पुत्र जमील अहमद, जमील अहमद पुत्र अजहर, मोहम्मद अनीस पुत्र मोहम्मद शरीफ, ग्राम बैल जोड़ी थाना कुंडा निवासी मोहम्मद फिरोज पुत्र मोहम्मद रफीक, बाल्मीकि बस्ती मोहल्ला महेशपरा निवासी सन्नी पुत्र सुरेश कुमार, मोहल्ला अल्ली खां निवासी मोहम्मद नदीम पुत्र मोहम्मद उमर, मोहल्ला ओझान निवासी जसवंत सिंह पुत्र हरीश चंद्र यादव, मोहल्ला लक्ष्मीपुर पट्टी निवासी करण सिंह पुत्र संजीव सैनी तथा मोहल्ला महेशपुरा हनुमान मंदिर के समीप निवासी संजीव पुत्र सुभाष की अलग-अलग मामलों में पुलिस को लंबे समय से तलाश थी। अदालत से वारंट जारी होने के बाद उपरोक्त सभी कानून की आंख में धूल झोंककर फरार चल रही थे जिसे सूचना पर पुलिस ने डॉबीज देकर गिरफ्तार करते हुए पूछताछ के बाद न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया।

चोरों ने शराब के ठेके में लगाई सेंध, कैंटीन में की मुर्गा पार्टी

दावत उड़ाने के साथ लाखों की नगदी व सीसीटीवी समेत हुए फरार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। सिलसिलेवार चोरियों की घटनाएं टीपीनगर पुलिस चौकी का पीछा नहीं छोड़ रही है। चोरी के कारनामें तो आपने बहुत सुने और देखें होंगे पर अब तो शातिर चोरों ने गजब ही कर डाला। ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में शराब ठेके में सेंध लगाकर दाखिल हुए चोरों ने मुर्गे के साथ शराब पार्टी की और फिर लाखों का कैश व बीयर की पेटियां लेकर फरार हो गए। जाते-जाते चोर अपने साथ सीसीटीवी की डीवीआर भी ले गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी। दुकान मालिक ने पुलिस को तहरीर सौंप दी है। कुसुमखेड़ा निवासी शराब कारोबारी महेश भट्ट की रामपुर रोड एसटीएच के पास देसी शराब और बीयर का ठेका है, जिसमें कैंटीन भी है। उन्होंने बताया कि बुधवार रात 11 बजे कर्मचारी ठेका बंद कर अपने घर चले गए और रात बिक्री का पैसा दुकान के गल्ले में छोड़ गए। रात तकरीबन 12 बजे चोर शराब ठेके के पीछे पहुंचे। चोरों ने पहले गैलरी से लगी कैंटीन की दीवार तोड़ी और कैंटीन में दाखिल हुए। इसके बाद उन्होंने शराब ठेके की दीवार को स्थानों से तोड़ा और दुकान में वहां पहुंच गए। जहां देसी शराब और बीयर का भारी स्टॉक रखा था। आरोप ही कि चोरों ने गल्ले से करीब 2 लाख 55 हजार रुपये की नगदी उड़ाने के बाद कैंटीन से चिकन निकाला और फिर बीयर पार्टी की। जाने से पहले शातिर चोर अपने साथ बीयर की करीब 7 पेटियां और सीसीटीवी की डीवीआर भी ले गए। उन्होंने बताया गुरुवार सुबह जब कर्मचारी दुकान खोलने पहुंचे और जैसे ही दुकान का शटर उठाया तो भीतर का नजारा देखकर वह भौचक्के रह गए। उन्होंने देखा दुकान और कैंटीन की दीवारें तीन स्थानों से टूटी थी। अंदर चोरों द्वारा पी गई बीयर की खाली टूटी और साबुत बोतलें और चिकन के जूठे बर्तन पड़े थे। गल्ले में रखा कैश गायब था और जब माल का मिलान किया गया तो पता लगा कि 6-7 पेटी बीयर कम थी। शातिर चोरों ने जिस तरह घटना को अंजाम दिया, उससे लगता है कि अंदर घुसने से लेकर जश्न मनाने और फिर बाहर निकलने में चोरों को 3-4 घंटे का वक्त लगा। इस दौरान चोरों ने न सिर्फ पार्टी की बल्कि दीवारें तोड़ने के साथ बीयर की बोतलें भी तोड़ीं। सुबह जब दुकान खोली गई तो अंदर भारी मात्रा में

बीयर की टूटी हुई बोतलें पड़ी थीं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले में मामला दर्ज कर चोरों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने दुकान के आस पास लगे सीसी टीवी कैमरे की फुटेज देखी। साथ ही घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। गौरतलब है कि इस शराब की दुकान पर पूर्व में भी अज्ञात चोरों ने इसी प्रकार से चोरी की घटना को अंजाम दिया था। जिससे अंदेशा जताया जा रहा है कि दोनों घटनाओं में चोरों का एक ही गिरोह शामिल है। उधर पुलिस का कहना है कि पुलिस मामले की गहराई से छानबीन कर रही है चिरोयको जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नशीले इंजेक्शनों की खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मुरादाबाद से नशे के इंजेक्शनों की खेप ला रहे एक नशा तस्कर को पुलिस ने चौकिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार प्रभारी निरीक्षक कोतवाली हरेंद्र चौधरी के नेतृत्व में रात्रि गश्त चेकिंग के दौरान उनि रविन्द्र राणा द्वारा पुलिस बल के साथ डीके पार्क मंगल पड़ाव से संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते एक व्यक्ति को पकड़कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम पता शाहिद पुत्र स्व. मुनाक शाह निवासी गफूर बस्ती वार्ड 24 चोरगलिया रोड़ बनभूलपुरा बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 150 अवैध नशीले इन्जेक्शन बरामद हुए। पूछताछ करने पर शहीद ने बताया कि वह नशीले इंजेक्शनो की खेप पंकज नाम के एक व्यक्ति से मुरादाबाद से खरीद कर लाया है। जिस आधार पर पुलिस ने पंकज नामक व्यक्ति को भी सह अभियुक्त बनाया गया है। अवैध नशीले इंजेक्शनो की बरामदगी के आधार पर पुलिस ने शहीद को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग दर्ज कर लिया। शाहिद से पूछताछ में ज्ञात हुआ कि उसके द्वारा स्वयं की नशे की पूर्ति हेतु मुरादाबाद व दिल्ली से अवैध नशीले इंजेक्शनो को सस्ते दामों में खरीदकर हल्द्वानी में ऊंचे दामों में बेचा जाता है। पुलिस ने बताया कि शाहिद व पंकज का आपराधिक इतिहास ज्ञात किया जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उनि रविन्द्र राणा चौकी प्रभारी हीरानगर, अउनि गणेश कुमार चौकी मंगलपडाव, कानि. जगदीश भण्डारी, मो. अजहर शामिल थे।

मोनालिसा ब्यूटी पार्लर पर मेहंदी प्रतियोगिता 18 अगस्त को होगी

काशीपुर(उद संवाददाता)। मोनालिसा ब्यूटी पार्लर द्वारा हरियाली तीज के अवसर पर आगामी 18 अगस्त को एक मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जो दोपहर 12 से 2:00 बजे तक चलेगी। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली जो लड़कियां पहले, दूसरे और तीसरे नंबर पर आएंगी उन्हे सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा। जिन लड़कियों को प्रतियोगिता में भाग लेना है वें 15 अगस्त दिन मंगलवार तक अपनी एंट्री करा दें। बाजपुर रोड पर ग्लोबल हॉस्पिटल के पास स्थित मोनालिसा ब्यूटी पार्लर एवं सैलून की संचालिका श्रीमती सुषमा चिकारा ने यह जानकारी देते हुए कहां है कि जो भी लड़कियां इस निशुल्क प्रतियोगिता में भाग लेना चाहे वह समय रहते मोनालिसा ब्यूटी पार्लर पर अपनी एंट्री करा दें। मेहंदी का सामान और कीप लड़कियों को अपने पास से लाना होगा।

स्वतंत्रता सेनानी सेवा सिंह को किया सम्मानित

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। मेरी माटी मेरा देश के तहत 26 ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत ग्राम पंचायत मैनाझुण्डी के प्राथमिक चिकित्सालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम पंचायत मैनाझुण्डी में स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी सेवा सिंह को खण्ड विकास अधिकारी सी0आर0आर्य ने शॉल ओढाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के काण्डपाल, ग्राविअ, देवेन्द्र सिंह मेहता ग्रापंविअ, अवनीश कुमार, कनिष्ठ अभियंता,सचिन अनिष्ठ अभियंता (मनरेगा), रूप सिंह, बी०एफ०टी० व प्रधानाध्यापक एवं ग्रामीण आदि

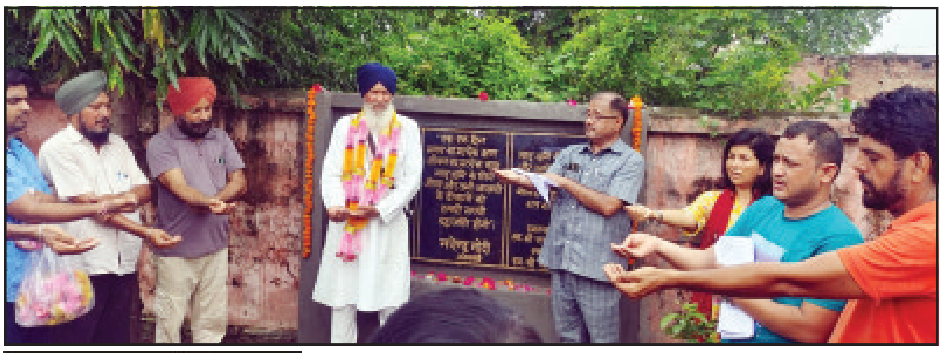

अन्तर्गत नीरज जोशी, उप कार्यक्रम अधिकारी, देवेन्द्र सिंह मेहता ग्रापविअ,ग्राम प्रधान अमरीक सिंह मैनाझुण्डी एवं अन्य में भूतपूर्व प्रधान दर्शन सिह, जसवन्त सिंह पुत्र सेवा सिह, डा० राजेश विश्वास, दीपा उपाध्याय, कंचन शर्मा, रमेश बाला, नरेश चन्द्र, राजेन्द्र प्रसाद, निरमा देवी, बलविन्दर कौर तथा अधिकारी / कर्मचारी आदि उपस्थित रहें। ग्राम पंचायत करघटिया में प्राथमिक पाठशाला में मा० प्रधान लखविन्दर सिंह, दिनेश चन्द्र उपस्थित रहें। सर्वप्रथम शिलाफलकम की स्थापना गयी तथा मिट्टी का दियां हाथ मे लेकर पंचप्रण एवं शैल्फी का आयोजन किया गया वसुन्धरा बन्धन के अन्तर्गत पौधारोपण कर अमृत वाटिका का निर्माण किया गया। तत्पश्चात झण्डा रोहण एवं राष्ट्रगान किया गया। कार्यक्रम स्थल से माटी यात्रा निकालकर अमृत कलश में मिट्टी एकत्रित कर विकास खण्ड मुख्यालय मे लाया गया। जहां से मिट्टी के कलश को नई दिल्ली कर्तव्यपथ ले जाया जायेगा।

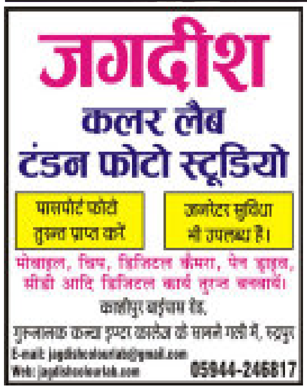

डीजीपी ने एसटीएफ की टीम को किया सम्मानित

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने एसटीएफ के कुमाऊं प्रभारी निरीक्षक एमपी सिंह व उनकी टीम को उत्कृष्ट कार्य करने पर 25 हजार का ईनाम देकर सम्मानित किया है। डीजीपी ने यह सम्मान टीम को देहरादून बुलाकर देने के साथ ही एसटीएफ टीम की पीठ थपथपाकर हौसला भी बढ़ाया है। बता दें एसटीएफ के कुमाऊं प्रभारी एमपी सिंह के नेतृत्व में टीम लगातार अपराधियों पर शिकंजा कस रही है। टीम ने अभी तीन दिन पहले ही बाजपुर क्षेत्र में एक हथियार बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था। एसटीएफ इससे पहले भी कई हथियार तस्करों को जेल पहुंचा चुकी है। फरार ईनामी बदमाशों को एसटीएफ टीम उत्तराखंड के साथ दिल्ली, पंजाब, हरियाणा,राजस्थान समेत देश के कोने कोने से ढूंढ कर ला रही है। कई बड़े नशा तस्करों पर भी एसटीएफ शिकंजा कस चुकी है। एसटीएफ का नाम सुनते ही अपराधी खौफ खाने लगते हैं। बताया जाता है प्रभारी निरीक्षक एमपी सिंह के बेहतर नेटवर्क की बजह से ही टीम को बड़ी बड़ी सफलताएं मिली है। जिसके चलते डीजीपी अशोक कुमार ने प्रभारी निरीक्षक एमपी सिंह,एस आई ब्रज भूषण गुरूरानी, एस आई प्रकाश भगत, हेड कांस्टेबल जगपाल सिंह, संजय कुमार को 25 हजार की धनराशि देकर सम्मानित किया और सराहनीय कार्यों के लिए उनकी पीठ थपथपाई।

शुभ व सतकार्यों को नहीं,अशुभ कार्यों को टालो- हरि चैतन्यपुरी

गढीनेगी (उद संवाददाता)। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर एंव संत स्वामी श्री हरि चौतन्य पुरी जी महाराज ने यहां श्री हरि कृपा धाम आश्रम में उपस्थित भक्त समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि सम्मान प्राप्ति को लक्ष्य कभी नहीं बनाना चाहिए वरना कितना भी सम्मान प्राप्त होने के बावजूद थोड़ा सा कहीं से ना मिला तो भी क्षुब्ध ही रहेंगे। हर कार्य सोच समझ कर करना चाहिए किससे मित्रता करनी हो तो सोच विचार कर करनी चाहिए। क्रोध, अपमान करने में ज्यादा से ज्यादा देर करनी चाहिए। किसी के अपराध करने पर उसे बहुत सोच समझ कर ही दंड देना चाहिए। उन्होंने कहा कि दूसरों को नुकसान पहुंचाने वाले का अपना ही नुकसान होता है। क्षमाशील बनें। क्षमा कायरों का नहीं अपितु वीरों का आभूषण है। मानव पर जगत व जगतपति दोनों का अधिकार है। लेकिन मानव का इन पर अधिकार मानना अज्ञानता है। अपने दिव्य प्रवचनों में भक्तों को कृतार्थ करते हुए उन्होंने कहा कि जगत की चिंता करे जगतपति। जगत को सुधारने की चिंता यदि हम करें तो जगत सुधरेगा या नहीं पर हम जरूर

बिगड़ जाएंगे। समाज सुधारक नहीं, समाज सेवक बनने का प्रयास करें। मानव जीवन की ही महिमा है कि वह अपने लिए समाज के लिए व परमात्मा के लिए उपयोगी हो सकता है। त्याग पूर्वक शांत होकर अपने लिए उदारता पूर्वक सेवा करके समाज के लिए वह आत्मीयता पूर्वक प्रेम करके परमात्मा के लिए उपयोगी होता है। शांत उदारवाद प्रेमी भक्त हो जाना यह मानव जीवन की ही महिमा है।उन्होंने कहा कि सच्चा संत व महात्मा न तो अपने को संत और महात्मा मानता है ना घोषित करता है, और ना दूसरों के द्वारा कहे जाने पर उसे स्वीकार करता है। विनम्र या नम्रता की दृष्टि से नहीं,वह सर्वत्र भगवान की महिमा को देखते हैं और उसी में सहज स्थित रहता है, वह त्याग का भी त्यागी होता है, किसी प्रकार के गर्प, दर्प, अभिमान उसके पास फटक नहीं सकते। उन्होंने कहा कि जगत की यथासामर्थ्य सेवा तथा परमात्मा व संतों से प्रेम करो। संतो, शास्त्रों व अवतारों को मात्र अपनी कमियां छुपाने की ढाल ही ना बनाएं उनसे प्रेरणा शिक्षाएं उपदेश भी ग्रहण करके अपने जीवन में उतारे। अपने धाराप्रवाह प्रवचनों से उन्होंने सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध भावविभोर कर दिया। सारा वातावरण भक्तिमय हो गया। इससे पूर्व यहां पहुंचने पर स्थानीय व दूरदराज से आए भक्तजनों ने फूल मालाएं पहनाकर, पुष्प वृष्टि करते हुए आरती उतारकर "श्री गुरु महाराज" "कामां के कन्हैया""लाठी वाले भैया" की जय जयकार के साथ पूर्ण धार्मिक रीति से भव्य व अभूतपूर्व स्वागत किया।

ट्रांजिट कैम्प की दुर्दशा के खिलाफ कल सरकार का पुतला फूकेंगे कांग्रेसी

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैम्प की दुर्दशा के खिलाफ कल महानगर कांग्रेस कमेटी ट्रांजिट कैम्प में सरकार का पुतला फूंकेगी। जानकारी देते हुए महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सीपी शर्मा ने कहा कि 13 अगस्त को भाजपाई ट्रांजिट कैम्प से तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं, तिरंगा यात्रा निकालना स्वागत योग्य है लेकिन ट्रांजिट कैम्प की दुर्दशा से भाजपा नेताओं को कोई सरोकार नहीं है। भाजपा के मेयर और विधायक ट्रांजिट कैम्प की हालत सुधारने में नाकाम साबित हुए हैं। ट्रांजिट कैम्प की मुख्य सड़क के साथ साथ आंतरिक सड़कों और नाले नालियों का बुरा हाल है। लोग नारकीय जीवन व्यतीत करने को मजबूर हैं। सड़कें और नालियां नहीं बनने से बारिश का पानी घरों में घुस रहा है। जलभराव से निपटने के दावे हवाई साबित हो रहे हैं। मेयर को कुर्सी संभाले साढ़े चार साल बीत चुके हैं। साढ़े चार साल के कार्यकाल में उन्होंने सिर्फ अपना विकास किया है। बस्तियों के विकास की जगह पूंजीपतियों की कालोनियों में विकास का पैसा लगाया गया है। जिस ट्रांजिट कैम्प की जनता के सहारे भाजपा ने सांसद, नगर निगम और विधानसभा चुनावों में विजय हासिल करती रही है उस ट्रांजिट कैम्प की आज सुध लेने वाला कोई नहीं है। ट्रांजिट कैम्प से तिरंगा यात्रा निकालने से पहले भाजपा नेताओं को वहां की समस्याओं की सुध लेनी चाहिए सड़कों का निर्माण नजूल पर मालिकाना हक, कूड़े का ढेर निस्तारण,नए बिजली मीटर रोकना,अतिक्रमण के नाम पर गरीबों के आशियाने तोड़ना ये सब ट्रांजिट कैम्प की जनता अब सहन नही करेगी। श्री शर्मा ने कहा कि ट्रांजिट कैम्प की दुर्दशा के विरोध में कल शनिवार को महानगर कांग्रेस कमेटी प्रात: 11.30 बजे गोल मढ़ैया में भाजपा सरकार का पुतला फूंकेगी। पुतला दहन कार्यक्रम का नेतृत्व उनके साथ जिलाध्यक्ष हिमांशु गावा और नगर महामंत्री अर्जुन विश्वास करेंगे।

इन्वेस्टर समिट में निवेशकों को पर्वतीय क्षेत्रों में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा : सीएम

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को दिये की राजस्व वसूली की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश

देहरादून(उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में राजस्व प्राप्ति के संबंध में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि सभी विभाग राजस्व अर्जन के लिए इनोवेटिव प्रयास करें और इसके लिए ऑनलाइन सिस्टम को और मजबूत किए जाने की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि राजस्व वसूली की नियमित मॉनिटरिंग के लिए जाए। इसके लिए जनपदों में बनाई गई समिति की नियमित बैठक की जाए। उन्होंने कहा कि देहरादून, हरिद्वार, उधमसिंहनगर एवं नैनीताल जनपद में राजस्व वसूली में और तेजी लाए जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने संपदाओं के बेहतर उपयोग के साथ ही तराई क्षेत्रों में कमर्शियल प्लांटेशन की दिशा में तेजी से कार्य किए जाएं। प्रकाष्ठ बिक्री के लिए उचित व्यवस्था की जाए और जड़ी-बूटियों के संरक्षण एवं सतत विकास के लिए दीर्घकालिक योजना को ध्यान में कहा कि बाढ़ की स्थिति से बचाव के लिए सिंचाई विभाग द्वारा ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। जिलाधिकारी भी आपदा प्रबंधन की दृष्टि से इन सभी चीजों को ध्यान में रखते हुए कार्य करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पर्वतीय क्षेत्रों में उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में प्रयास किये जाए। राज्य में होने वाले इन्वेस्टर समिट में निवेशकों को पर्वतीय क्षेत्रों में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया

पोर्टल विकसित होने से विभिन्न विभागों द्वारा दिये गये राजस्व वसूली के डाटा एवं राजस्व परिषद में राजस्व वसूली के डाटा में जो अन्तर दिख रहा है, उस समस्या का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये की राजस्व वसूली की कार्यवाही में तेजी लाई कहा कि UPCL एवं UJVNL को राजस्व बढ़ाने की दिशा में विशेष प्रयासों की जरूरत है। बिजली चोरी संभावित क्षेत्रों में लगातार सतर्कता आधारित गतिविधियां चलाई जाए एवं उच्च औद्योगिक मांग वाले क्षेत्रों में बिलिंग दक्षता बढ़ाने की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि रखकर कार्य किए जाएं। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि पिछले सालों की रिकवरी की गति में और तेजी लाई जाए। उन्होंने परिवहन, खनन, जीएसटी आदि क्षेत्रों में गहन निगरानी रखने के लिए ऑनलाइन सिस्टम को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जायेगा। बैठक में कैबिनेट मंत्री श्री प्रेम चंद अग्रवाल, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधू, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव श्री आर. के. सुधांशु, सचिव श्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, श्री दिलीप जावलकर, श्री अरविन्द सिंह ह्यांकी समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड में उद्योगों की स्थापना और निवेश की बेहतर संभावनाए: राज्यपाल

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने गुरुवार को राजभवन में दिसम्बर माह में प्रस्तावित इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन की तैयारियों के संबंध में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड में उद्योगों की स्थापना और निवेश की बेहतर संभावनाएं हैं जिसके दृष्टिगत यहां देश-विदेश से निवेशक आना चाहते हैं। राज्यपाल ने कहा कि इन्वेस्टर्स समिट उत्तराखण्ड में निवेश की संभावनाओं को बढ़ाने का अच्छा माध्यम रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटन, उद्योग, कृषि क्षेत्र, हवाई, रेल एवं सड़क कनेक्टिविटी का जिस तेजी से विस्तार हो रहा है, यह औद्योगिक जगत के लोगों को देवभूमि उत्तराखण्ड आने के लिए आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि

इन्वेस्टर्स समिट में अधिक से अधिक निवेशक आएं हमारी ऐसी तैयारियां होनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में निवेश बढ़े, आर्थिक संसाधनों में वृद्धि हो एवं औद्योगिक वातावरण सृजन करने के साथ-साथ राज्य में औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिए इन्वेस्टर्स समिट की सोच सराहनीय है। उन्होंने अधिकारियों से अभी तक की तैयारियों के संबंध में चर्चा कर जानकारी ली। बैठक में एमडी सिडकुल रोहित मीणा ने प्रस्तावित समिट की कार्ययोजना और अभी तक की तैयारियों का प्रस्तुतिकरण दिया। इस अवसर पर सचिव श्री राज्यपाल रविनाथ रामन, सचिव वित्त एस.एन. पाण्डे, क्षेत्रीय निदेशक सेबी अमित प्रधान, डीजीएम सेबी ज्ञानेंद्र नीरज, अपर सचिव एमएसएमई डी.के. तिवारी, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

काशीपुर और बाजपुर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जिलाधिकारी ने लिया जायजा

बाजपुर/काशीपुर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने ने गुरुवार को काशीपुर और बाजपुर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। डीएम ने बाजपुर के गुमसानी में लेवड़ा पुल के निरीक्षण के दौरान पुल के दोनो साइड में नदी का मार्ग से निजात के लिए शॉर्ट टर्म व लॉन्ग टर्म कार्यों के बारे में भी सुझाव लिए। जिलाधिकारी ने लेवड़ा पुल पर बने चौनल का गेट वाल्व प्रोपर करने के निर्देश पीडब्ल्यूडी तथा सिंचाई विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने बाजपुर में रेलवे क्रॉसिंग पर पानी बैक न मारे क्योनि जल भराव का प्रमुख कारण पानी का बैक होना भी है। उन्होंने कहा कि जल निकासी के स्थायी समाधान हेतु कार्यवाही भी अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जल भराव से मुक्ति हेतु जनपद ऊधम सिंह नगर व क्षेत्रीय जनता उपस्थित थी **काशीपुर** -जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने एनएच-74 के किमी 152 पर सर्वर खेड़ा के पास ढेला नदी का बहाव बदलने से पुल के क्षतिग्रस्त एप्रोच मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने

अवरूद्ध कर रही झाड़ियों आदि को हटाने तथा नदी के किनारों की सफाई करने के निर्देश सहायक अभियंता सिंचाई को दिए। डीएम ने बाजपुर पहुंचकर लेवड़ा नदी का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों व व्यापारियों की समस्याएं बारीकी से सुनी और जल भराव नाले से पानी की सीधी निकासी हेतु साईंटिफिक सॉल्यूशन देने के निर्देश अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को दिए। उन्होंने शहर के बाहरी क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार नदी तथा नालों की सफाई करने तथा पानी की निकासी हेतु तात्कालिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए ताकि से राजस्व, सिंचाई, पीडब्ल्यूडी की संयुक्त टीम सर्वे कार्य करेंगी तथा अपने इनपुट नैनीताल की टीम के साथ साझा करेगी। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, उप जिलाधिकारी राकेश तिवारी, सहित राजेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी निरीक्षण के दौरान एनएच के अधिकारियों को दिनख्ररात काम करते हुए 2 से 3 दिन के भीतर एक साइड खोलने के निर्देश दिए। उन्होंने एक साइड का काम पूरा होने तक यातायात को डायवर्ट रखने के निर्देश पुलिस विभाग को दिए। उन्होंने नदी की धारा को नियंत्रित कराने के लिए सुरक्षात्मक कार्य कराने के निर्देश एनएच के अधिकारियों को दिए। उन्होंने निर्देश दिए की नदी के बहाव को नियंत्रित करने के लिए सभी पुलों की साइड में प्रोटेक्शन वर्क जरूर की जाए। उन्होंने हेमपुर स्माइल से रेस्क्यू किए गए व्यक्तियों के लिए, खानख्रपान तथा रहने की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश राजस्व विभाग के अधिकारियों को दिए। डीएम ने बरसात के दौरान नदी क्षेत्रों का दौरा न करने, नदी किनारे रह रहे लोगों को जल स्तर बढ़ने पर सुरक्षित स्थान पर रहने की अपील की। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी जय भारत सिंह, उप जिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह, सीओ वंदना, तहसीलदार यूसुफ अली सहित एनएच के अधिकारी उपस्थित थे।

हल्द्वानी में आपदा प्रभावितों को बांटी राहत राशि, वार्डवार नोडल अधिकारियों की तैनाती

राहत और बचाव कार्य में जुटा जिला प्रशासन, पेयजल लाईनों को किया सुचारू

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। जनपद में आपदा प्रभावित लोगों के लिए जिला प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य किये जा रहे हैं।जनपद में 09 व 10 अगस्त को कुल 299 परिवार, को अहैतुक धनराशि रू11.76 लाख का वितरण किया गया। जिसमें तहसील हल्द्वानी 111 परिवारों को धनराशि रू5.55 लाख, तहसील नैनीताल के 74 परिवारों, को धनराशि रू 3.70 लाख, तहसील कालाढूंगी के 20 परिवारों को धनराशि रू 1.00 लाख,तहसील लालकुआं के 03 परिवारों को धनराशि रू 0.15 लाख तथा तहसील रामनगर के 91 परिवारों को, धनराशि रू 2.23 लाख की धनराशि का वितरण किया गया।दो दिनों में कलसिया के उफान से 50 प्रभावितों को राहत किट भी दिए गए। वर्तमान में हल्द्वानी के 4 परिवार एवं नैनीताल के 25 परिवार राहत शिविरों में निवासरत हैं। नगर निगम द्वारा अधिक प्रभावित क्षेत्रों के लिए

वार्डवार नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है। सिंचाई विभाग द्वारा गौला बैराज से जल संस्थान को पेयजल की आपूर्ति सुचारू कर दी गई है। प्रशासनिक अधिकारियों एवं कार्यदायी विभागों द्वारा विषम परिस्थितियों में प्रभावित क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए तत्काल राहत व बचाव कार्यों को किया गया तथा क्षति का निरीक्षण करते हुए प्रभावितों को राहत सामग्री/धनराशि के चौक मौके पर उपलब्ध कराये गये। नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय ने बताया कि लालडांठ क्षेत्र में रसकिया नाले के आसपास मार्ग पर मलवा को हटा दिया गया है तथा जेसीबी रसकिया नाले में उतारी गई नाले को चौनलाईज का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा हल्द्वानी नगर निगम क्षेत्र में 1165 श्रमिकों व पर्यावरण मित्रों के द्वारा राहत कार्य को किया जा रहा है। नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम, हल्द्वानी के अधिक प्रभावित वार्डों में मलवा सफाई/ड्रेन सफाई की निगरानी हेतु वार्डवार नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है। वार्ड-2 श्री अमोल असवाल, वार्ड-45 श्री सुरेश अधिकारी, वार्ड-47 श्री नवल नौटियाल, वार्ड-48 व 49 श्री गणेश भट्ट, वार्ड 34-35 श्री चतर सिंह, वार्ड-42 श्री केबी.उपाध्याय, वार्ड-53 श्री महेश पाठक, वार्ड 50 श्री महेन्द्र बिष्ट की तैनाती करते हुए सम्बन्धित वार्ड सदस्यों से समन्वय करते हुए पर्यावरण मित्रों एवं श्रमिकों के माध्यम से कूड़ा/मलबा सफाई एवं विसंक्रमणकों के छिड़काव को युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह ने बताया कि आपदा से प्रभावित लोगों को राशन के किट के साथ ही आर्थिक सहायता भी मौके पर दी जा रही है। उन्होंने कहा प्रभावित क्षेत्रों के बीमार लोगों को चिकित्सकीय टीम द्वारा मौके पर उपचार किया जा रहा है व कॉउंसलिंग भी की जा रही है। अधिशासी अभियंता सिंचाई अमित बंसल ने बताया कि सांय 06 बजे गौला बैराज से जल संस्थान को पेयजल आपूर्ति प्रारंभ कर दी गई है। सिंचाई विभाग द्वारा चौनलाइजेशन के साथ ही सुशीला तिवारी अस्पताल के पीछे की नहर में नहर सफाई का कार्य भी प्रगति पर है। जल संस्थान अधिशासी अभियंता विद्युत ने बताया कि आपदा के कारण विद्युत लाईनों पर गिरे वृक्षों को हटाकर क्षेत्र में विद्युत की आपूर्ति सुचारू की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा प्रभावित क्षेत्र की पेयजल लाईनों को सुचारू करने हेतु जलसंस्थान द्वारा लाईनों के मरम्मत का कार्य किया जा रहा है जल्द ही जलापूर्ति कर दी जायेगी।

बच्चों को अच्छे संस्कार दें माता पिता

गदरपुर (उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म मंदिर बुध बाजार गदरपुर में सावन मास के उपलक्ष में चल रही कथा के दशम दिवस की कथा करते हुए कथावाचक पंडित विजय कुमार शास्त्री ने कहा कि अपने बालक को अच्छे संस्कार ना देने वाले माता पिता उसके बैरी हैं, शक्ति और धर्म की शिक्षा ना देने वाले माता पिता उस बालक के शत्रु ही हैं, बालक का हृदय व मन बड़ा कोमल होता है, अत: उसे दिए गए संस्कार उसके मन में अच्छी तरह जम जाते हैं उसे बचपन से ही अच्छे संस्कार दोगे तो जीवन भर संस्कारी बना रहेगा। प्रसाद की सेवा वरिष्ठ समाजसेवी एवं श्री जय भवानी जागरण मंडल के संरक्षक पवन बजाज ने अपने सुपुत्र अनुभव बजाज (मिट्टू) के जन्म दिन की खुशी में दी। इस दौरान भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

धूमधाम से मनाई जाएगी स्वतंत्रता दिवस की 76वीं वर्षगांठ

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। जिलाधिकारी उदय राज सिंह की अध्यक्षता में ए. पी.जे. अब्दुल कलाम सभागार कलेक्ट्रेट में स्वतंत्रता दिवस की 76 वीं वर्षगांठ के अवसर पर जनपद में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम की व्यवस्थाओं एवं तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों में प्रात: 9 बजे संबन्धित विभागाध्यक्ष/ कार्यालयाध्यक्ष के द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। समस्त शिक्षण संस्थानों को द्वारा प्रभातफेरी प्रात: 07 बजे से अपने-अपने विद्यालयों में निकाली जायेगी व प्रभात फेरी के रूट में सुरक्षा

व्यवस्था हेतु पुलिस अधीक्षक नगर उत्तरदायी होंगे। इसके अलावा जिलाधिकारी कार्यालय में प्रात: 9:30 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा।जिलाधिकारी ने समस्त कार्यालयध्यक्षों को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर एवं कार्यालय परिसर एवं स्थानों में स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तहसील, विकासखंड व ग्रामीण स्तर पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण करने हेतु वन एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वतंत्रता सेनानियों एवं राज्य आंदोलनकारियों के परिजनों को सम्मानित किया जाए। उन्होने शिक्षा विभाग के अधिकारी को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन करने के निर्देश दिए,जिसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के योगदान एवं त्याग के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की जाए। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शहर के प्रमुख चौराहों पर देशभक्ति के गीतों का प्रसारण करने उन्होने विद्यालय में निबंध लेखन, गायन प्रतियोगिता, श्लोगन, सांस्कृतिक कार्यक्रम कराने के निर्देश शिक्षा विभाग को व जिला क्रीड़ा अधिकारी को क्रॉस कन्ट्री रेस में अधिक से अधिक लोगों को प्रतिभाग करने निर्देश दिये। उन्होंने शासकीय एवं ऐतिहासिक भवनों को प्रकाशमान किए जाने के भी निर्देश सम्बन्धित विभागों को दिए। उन्होंने नगर निगम एवं समस्त नगर निकायों को अपने-अपने क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, पार्क आदि की साफ-सफाई एवं रंग-रोगन करने के निर्देश दिए। समस्त उप जिलाधिकारी को अपने अपने क्षेत्र में स्वंत्रता दिवस के कार्यक्रम एवं प्रभातफेरी अयोजित व संबन्धिमत अधिकारी को मिष्ठान वितरण करने के निर्देश दिये। उन्होने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रभातफेरी के दौरान चिकित्सक सहित एंबुलेंस तैनात करने के निर्देश दिए।

'मेरी माटी मेरा देश' अभियान कार्यक्रम में किया पौधरोपण

गदरपुर(उद संवाददाता)। नेहरू युवा केंद्र उधम सिंह नगर के जिला युवा अधिकारी आशीष पाल के मार्गदर्शन में विकासखंड गदरपुर की राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक मुस्कान चावला द्वारा 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय पलकाचौड़ ग्राम- पंचायत खेमपुर में ग्राम पंचायत नोडल अधिकारी योगेश उपाध्याय की अध्यक्षता में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर विशाल, कल्पना चावला युवा क्लब अध्यक्ष सुश्री तनीषा चावला, विद्यालय के स्टाफ सदस्यों,

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व छात्र-छात्राओं के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इसके तहत राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराते हुए राष्ट्रगान गाते हुए वीर शहीदों के सम्मान में स्मारक पट्टीका स्थापित की गई। विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे और हाथों में मिट्टी लेकर पंचप्रण की शपथ ली। इस अभियान का उद्देश्य स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का सम्मान करना है जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। इस मौके पर स्टाफ सदस्य कमल सरकार,रूबी मिश्रा,आंगनबाड़ी कार्यकर्ती रीतू,प्रीति,मीरा देवी, मीना व तमाम छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

वन संरक्षण और विकास के बीच समन्वय कायम करें : चन्द्र प्रकाश गोयल

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी में दीक्षांत समारोह धूमधाम से संपन्न

देहरादून (उद संवाददाता)। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून में प्रशिक्षणरत 2021-23 व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के भारतीय वन सेवा परिवीक्षार्थियों का दीक्षान्त समारोह वन अनुसंधान संस्थान के दीक्षान्त गृह में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार चन्द्र प्रकाश गोयल ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक भारत ज्योति ने अपने सम्बोधन में कहा कि यह संस्था न पूर्व में इंडियन फॉरेस्ट कॉलेज और अब इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के रूप में पिछले 83 वर्षों से देश की सेवा कर रहा है। स्वतंत्र भारत के समस्त भारतीय वन सेवा अधिकारियों और 14 मित्र राष्ट्रों के 363 वन अधिकारियों ने अब तक इस संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त किया है। बताया कि वर्तमान 2021-23व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में 2 विदेशी प्रशिक्षु अधिकारियों सहित कुल 40 भा.व.से. परिक्षार्थियों को आज एसोसिएट ऑफ आईजीएनएफए, डिप्लोमा प्रदान किया जा रहा है। इस वर्ष से इन अधिकारियों को नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इण्डिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसयूआई), बंगलौर का पर्यावरण विधि में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा भी प्रदान किया जा रहा है। उत्कृष्ट उपलब्धियां प्राप्त करने वाले परिक्षार्थियों को समारोह में विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए गए। सुश्री मृदुला सिंह बैच की टॉपर रहीं। इस अवसर पर विशिष्टन अतिथि अरुण सिंह रावत,

महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून (आईसीएफआरई) ने इन युवा परिवीक्षार्थियों को इ.गां.रा.व.अ. में प्रशिक्षण पूर्ण होने पर बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने वनाश्रित समुदायों को सशक्त बनाने तथा वनों से दीर्घकालीन लाभ प्राप्त करने, ग्रामीणों की आजीविका के स्रोत एवं जलवायु परिवर्तन को रोकने के एक साधन के रूप में वनों को संरक्षित किए, जाने के प्रयासों पर जोर देते हुए कहाकि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि ये युवा अधिकारी चाहे कहीं भी कार्यरत रहें, राष्ट्र की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। मुख्य अतिथि चन्द्र प्रकाश गोयल ने दीक्षान्त भाषण में प्रशिक्षु अधिकारियों को उनकी सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय वन अकादमी द्वारा युवा अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण भविष्य में उनके सामने आने वाली कठिन चुनौतियों के लिए तैयार करता है। उन्होंने संरक्षण और विकास के बीच समन्वय कायम करने पर बल दिया क्यों कि ये दोनों ही मानवता के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के संधारणीय उपयोग को विकसित कर दृढ़ प्रतिबद्ध होकर गरीबी उन्मूलन की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है। विकास प्रकिया के केंद्र में आम आदमी को रखकर ही इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि लगभग 30 वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान में देश के वनावरण में बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के दीर्घकालिक उपयोग और दृढ़ प्रतिबद्धता के द्वारा ही विश्व स्तर पर गरीबी और भूख की चुनौती का सामना किया जा सकता है और आम आदमी को विकास-प्रक्रिया के केन्द्री में रखकर इस लक्ष्य को प्रभावी रूप से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि युवा पेशवर होने के नाते आपको यह ध्यान रखना होगा कि आपके द्वारा लिए गए निर्णय देश की पर्यावरणीय नींव पर दीर्घकालिक असर डालने वाले हों। दीक्षान्त समारोह में केन्द्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा पास- आउट होने वाले अधिकारियों के परिजनों सहित बड़ी संख्या में अतिथिगण उपस्थित थे।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

आयुष्मान योजना और अनियमित्ता

सरकारी योजनाओं में सेंध लगाने वाले हर समय ताक में रहते हैं। खासकर गरीबों के लिए चलाई जाने वाली ज्यादातर योजनाएं इसलिए अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाती हैं कि उनमें अनियमितताओं की दर सबसे अधिक देखी जाती है। सरकारें इस हकीकत से अनजान नहीं हैं। मगर हैरानी की बात है कि कल्याण योजनाएं शुरू करने से पहले उन पर निगरानी के पुख्ता इंतजाम नहीं किए जाते।आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शुरू की गई थी, तब उम्मीद बनी थी कि इससे गरीब परिवारों को मुफ्त इलाज का लाभ मिल सकेगा। इस तरह देश का स्वास्थ्य सूचकांक भी सुधरेगा। मगर अभी नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग ने इस योजना के संबंध में जो आंकड़े पेश किए हैं, वे चिंता पैदा करने वाले हैं। कैग ने तीन ऐसे मोबाइल नंबरों की पहचान की है, जिन पर क्रमशः साढ़े सात लाख, एक लाख चालीस हजार और छियानबे हजार लोग इस योजना के तहत पंजीकृत थे।एक पैन नंबर पर दो पंजीकरण के कई मामले पाए गए, सात आधार नंबरों पर साढ़े चार हजार से अधिक लोगों का पंजीकरण हुआ है। इसमें तैंतालीस हजार से अधिक ऐसे परिवार पंजीकृत पाए गए, जिनमें सदस्यों की संख्या ग्यारह से लेकर दो सौ एक तक है। छह राज्यों में एक लाख से ऊपर पेंशनभोगी भी इस योजना का लाभ उठा रहे हैं।कैग ने सितंबर 2018 से मार्च 2021 के बीच की अवधि में हुई अनियमितताओं का विश्लेषण किया है। ये अनियमितताएं इसलिए हो पाई कि लाभार्थियों के पंजीकरण के सत्यापन में पुख्त तरीका नहीं अपनाया गया। बहुत सारे लोगों ने अवैध नाम, अवास्तविक जन्मतिथि, नकली पहचान पत्र, परिवार के सदस्यों की गलत संख्या आदि दर्ज करा कर इस योजना का लाभ उठाते रहे।विश्लेषित अवधि के दौरान आयुष्मान भारत योजना के तहत सात करोड़ सत्तासी लाख लोग पंजीकृत थे। इस तरह अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिन समूहों को ध्यान में रख कर यह योजना शुरू की गई थी, उनमें से कितने लोग इसका लाभ पाने से वंचित रह गए और अपात्र लोगों ने इसका फायदा उठा लिया। दरअसल, इस योजना के तहत स्वास्थ्य विभाग स्वास्थ्य बीमा कंपनियों को भुगतान करता है, जिनके जरिए इलाज करने वाले अस्पतालों को भुगतान किया जाता है। यह बात तो लंबे समय से उठाई जा रही थी कि बीमा कंपनियां और बहुत सारे निजी अस्पताल मिलीभगत करके आयुष्मान भारत योजना में सेंधमारी कर रहे हैं, मगर उन पर नजर रखने के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए। योजनाओं का वास्तविक लाभ तब तक लक्षित समूह तक नहीं पहुंच पाता, जब तक कि उन पर निगरानी का तंत्र व्यावहारिक और पारदर्शी न हो। आयुष्मान भारत की तरह ही अनेक योजनाएं बड़ी अनियमिताओं का शिकार हो चुकी हैं। मनरेगा के अंतर्गत भी बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की शिकायतें आई थीं, जिस पर रोक लगाने के लिए कुछ तकनीकी इंतजाम किए गए, वास्तविक लाभार्थियों की पहचान में मुस्तैदी बरती जाने लगी। हालांकि अब भी मनरेगा पूरी तरह भ्रष्टाचार मुक्त नहीं हो पाई है। मध्याह्न भोजन योजना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली आदि में भी इसी तरह लोगों ने सेंध लगाने का प्रयास किया। पिछले साल प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में भी बड़े पैमाने पर ऐसे लोगों का पंजीकरण चिह्नित किया गया, जो इसके सर्वथा अपात्र थे। इतने बड़े अनुभवों के बाद भी अगर कल्याण योजनाओं में सेंधमारी रोकने के पुख्ता और व्यावहारिक इंतजाम नहीं हो पा रहे हैं, तो इन योजनाओं की प्रासंगिकता ही प्रश्नांकित होती है।

अब वेलनेस, योग और पंचकर्म सेंटरों का पंजीकरण होगा अनिवार्य

पंजीकरण नवीनीकरण के लिए 200 रुपये का शुल्क लिया जाएगा

देहरादून। प्रदेश में संचालित वेलनेस, योग और पंचकर्म सेंटरों के लिए अब पंजीकरण अनिवार्य होगा। इसके लिए पहली बार आयुष विभाग ने नियमावली तैयार की है, जिसमें सेंटरों के संचालन के लिए मानक तय किए गए हैं। पहले एक साल के लिए पंजीकरण निशुल्क होगा। इसके बाद पंजीकरण नवीनीकरण के लिए 200 रुपये का शुल्क लिया जाएगा। प्रदेश के ऋषिकेश, हरिद्वार, देहरादून समेत अन्य जिलों में निजी आयुष वेलनेस, योग और पंचकर्म केंद्र चल रहे हैं, लेकिन अभी तक इन सेंटरों का आयुर्वेद विभाग के पास कोई रिकॉर्ड नहीं है। साथ ही सेंटर बिना मानकों के चल रहे हैं। इसे देखते हुए पहली बार वेलनेस, योग और पंचकर्म केंद्रों के लिए नियमावली का ड्राफ्ट तैयार किया गया। शासन ने प्रस्ताव को मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजी है। जल्द ही सीएम का अनुमोदन मिलते ही नियमावली को लागू किया जाएगा। नियमावली में वेलनेस, योग और पंचकर्म सेंटरों की सुविधाओं के आधार पर रेटिंग की जाएगी। इसमें बेहतर सुविधाएं देने और मानकों पर खरा उतरने वाले सेंटरों को फाइव स्टार रेटिंग मिलेगी। इसके बाद फोर व थ्री स्टार रेटिंग होगी। आयुष नीति में गुणवत्ता युक्त सेवाएं देने को थ्री स्टार से ऊपर की रेटिंग वाले सेंटरों को सरकार की ओर से प्रोत्साहन देने का प्रावधान किया जाएगा। आयुर्वेद विभाग के माध्यम से वर्तमान में 300 से अधिक वेलनेस, योग और पंचकर्म सेंटर संचालित किए जा रहे हैं, लेकिन योग और वेलनेस चिकित्सा के नाम पर चल रहे निजी सेंटरों का रिकॉर्ड विभाग के पास नहीं है। विभाग का अनुमान है कि ऋषिकेश शहर में ही 100 से अधिक निजी योग केंद्र चल रहे हैं।

विश्व हाथी दिवस: नष्ट होते जंगलों के बीच हाथियों का संरक्षण

जंगल में रहने वाले शाकाहारी जीवों में हाथी सबसे बड़े हैं। एशियाई हाथी झुंड में रहते हैं, और झुंड का नेतृत्व सबसे उम्रदराज मादा यानि कुलमाता करती है। नर हाथी एकाकी जीवन व्यतीत करते हैं और केवल प्रजनन के समय ही झुंड के आस पास दिखाई देते हैं। किसी एशियाई हाथी का मस्तिष्क मनुष्य से काफी बड़ा होता है, और उसकी स्मरण शक्ति असामान्य रूप से ज्यादा होती है। एशियाई हाथियों में एक बहुत बड़ा और अत्यधिक विकसित नियोकोर्टेक्स होता है, जो मनुष्यों, वानरों और कुछ डॉल्फिन प्रजातियों में भी पाया जाता है। उनके पास अन्य सभी मौजूदा भूमि जानवरों की तुलना में संज्ञानात्मक प्रसंस्करण के लिए अधिक मात्रा में सेरेब्रल कॉर्टेक्स उपलब्ध है। मनुष्यों और वानरों की तरह हाथी भी औजारों का प्रयोग करने की काबिलियत रखते हैं। हाथी रास्तों को याद रखते हैं, उम्र और तजुर्बे के साथ साथ उनको ये भी ज्ञान हो जाता है कि ग्रीष्मकाल में सूखे के वक्त भोजन और जल कहां मिलेगा। एज वयस्क हाथी को प्रतिदिन 150 किलोग्राम चारा और 80-150 लीटर तक पानी की आवश्यकता होती है। नर हाथी 9 फीट तक ऊंचा, 21 फीट तक लंबा और 4 टन वजनी हो सकता है। मादाएं इनकी तुलना में छोटी , लगभग 8 फीट तक ऊंची और 2.7 टन तक वजनी हो सकती हैं। किसी एशियाई हाथी को अक्सर जंगलों में नदी किनारे और तालाबों के आस पास आसानी से देखा जा सकता है। उत्तर भारत के राजाजी नेशनल पार्क और कॉर्बेट नेशनल पार्क में एशियाई हाथी बड़ी संख्या में मौजूद हैं। हाथी घास के मैदान और घने जंगलों में रहना पसंद करते हैं। उत्तर पूर्वी राज्यों में हाथियों को समुद्र तल से 3000 मीटर की ऊंचाई वाले पहाड़ी छेत्रों में भी देखा गया है। प्राचीन भारत में इनको घोड़ों की

तरह सेना में और भारी वजन उठाने के काम में प्रयोग किया जाता था। जंगली हाथियों को देखने के लिए विदेशी पर्यटक उन जगहों में आते हैं जहाँ उनके दिखने की सबसे ज्यादा संभावना होती है। इससे राज्य को आमदनी भी होती है। एशियाई हाथी अफ्रीकी हाथी की तुलना में आकार में थोड़े छोटे होते हैं। हाथी का नवजात शिशु जन्म लेने के कुछ ही घंटो में अपने पैरों पर खड़ा हो जाता है। बिलकुल मनुष्यों की तरह ही हाथी मां अपने बच्चे को स्नान भी करवाती है। नवजात हाथी जन्म लेने के कुछ घंटे बाद ही माँ का दूध पीना सीख जाता है। सूंड छोटी होने की वजह से बच्चा मुँह से ही स्तनपान करता है। मां बच्चे को कभी भी अपनी नजर से दूर नही होने देती। बच्चा अपनी मां की छाया में खुद को महफूज समझता है और किसी भी जीव या वस्तु से जरा भी डरने पर अपनी मां के नीचे छुप जाता है। आकार में छोटा होने की वजह से बच्चा आसानी से माता के नीचे से इधर उधर आता जाता रहता है। अपने बच्चे के लिए किसी अन्य जीव या मनुष्य से खतरा महसूस होने पर मां बेझिझक किसी पर भी हमला कर देती है। इंटरनेट पर अक्सर हाथी के हमले के वीडियो देखने को मिलते हैं, और ज्यादातर ऐसे हमले हाथी मां द्वारा ही होते हैं। लेकिन आज इस विशालकाय और खूबसूरत जीव का भविष्य खतरे में है। पिछले 75 वर्षों में हाथियों की संख्या में 50 प्रतिशत तक की कमी आयी है। हाथियों की संख्या में कमी आने के मुख्य कारण जैसे कि वनों की कटाई के कारण निवास स्थान की हानि, हाथियों के प्रवास मार्गों में व्यवधान, कृषि का विस्तार और संरक्षित क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण, हाथी दांतो और उनकी खाल के लिए शिकार, बढ़ती मानव जनसंख्या, बड़े पैमाने पर विकास परियोजनाएँ और ऊपर से नीचे तक खघराब प्रशासन शामिल हैं। भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा बाड़ लगाने जैसा विकास हाथियों की मुक्त आवाजाही में एक बड़ी बाधा बन गया है।असम में 1980 से 2003 के बीच मानव-हाथी संघर्ष के परिणामस्वरूप 1,150 से अधिक मनुष्य और 370 हाथियों की मृत्यु हो गई। हाथियों के संरक्षण के लिए सरकार द्वारा भी प्रयास किये जा रहे हैं। इस संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए विश्व हाथी दिवस 2012 से हर वर्ष12 अगस्त को मनाया जाता है। एशियाई हाथी जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, उनके बारे में जानकारी देने और लोगों को शामिल करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में चिड़ियाघरों और संरक्षण भागीदारों द्वारा अगस्त को एशियाई हाथी जागरूकता माह के रूप में स्थापित किया गया है। विश्व हाथी दिवस एक अंतरराष्ट्रीय वार्षिक कार्यक्रम है, जो दुनिया के हाथियों के संरक्षण के लिए समर्पित है, और हम सबको किसी न किसी रूप में इसका हिस्सा बनना चाहिए। मनुष्यों का योगदान ही प्रकृति वन और वन्य जीव संरक्षण की बुनियाद है।

-ई.रूपेश अरोरा, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर, रूद्रपुर

डीएम ने किया सीवेज कार्यों का स्थलीय निरीक्षण

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)।जनता एवं जनप्रतिनिधियों की शिकायत के चलते जिलाधिकारी विनीत तोमर ने अल्मोड़ा के रानीधारा क्षेत्र में चल रहे सीवेज कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदाई संस्था पेयजल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कार्यों के दौरान किसी भी आमजन के घर में मिट्टी या पानी न जाने पाए, कार्यों के दौरान इसकी पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की

जाए। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा जो प्रस्ताव शासन को भेजा है, उसमे जल्द से जल्द कार्यवाही की जाए। इस क्षेत्र में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने पर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलभराव की समस्या से निजात दिलाने हेतु जल्द से जल्द प्रस्ताव बनाकर शासन को प्रेषित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका भारत त्रिपाठी, तहसीलदार दिलीप सिंह, ईई पीडब्ल्यूडी इंद्रजीत बोस समेत अन्य अधिकारी तथा स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सूचना नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम SONI SHARMA से बदलकर SONI FATIMA रख लिया है। मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना जाए ।

सोनी फातिमा पत्नी मो. जिशान

सिरौली कलां,किच्छा उधमसिंहनगर

55 लाख रूपये की स्मैक के साथ तस्कर दबोचा

रूद्रपुर(उद संवाददता)। स्मैक तस्करी के खिलाफ एसटीएफ और पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 55 लाख से अधिक की स्मैक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उत्तराखण्ड में स्मैक बरामदगी की यह एसटीएफ और पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी संयुक्त कार्यवाही है। खुलासा करते हुए

एसएसपी मंजूनाथ टिसी ने बताया कि अपराधियों के विरुद्ध आपरेशन प्रहार के तहत की जा रही प्रभावी कार्यवाही के अंतर्गत एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्यवाही करते हुए एक स्मैक तस्कर को बहेडी बार्डर नदेली रोड चौकी बरा क्षेत्र में गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गये तस्कर ने अपना नाम मुस्ताक अली पुत्र मिट्ट अली निवासी मनिहारगोठ थाना टनकरपुर जिला चंपावत हाल निवासी रजागंज थाना पूरनपुर जिला पीलीभीत बताया। अभियुक्त के कब्जे से कुल 537 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में पकड़े गए अभियुक्त मुस्ताक अली ने बताया कि अपने साथी अकबर अंसारी निवासी फतेहगंज पश्चिमी बरेली से उक्त स्मैक 1200 रुपये प्रतिग्राम के हिसाब से खरीद कर लाकर पहाडी क्षेत्र के जनपदो चंपावत, बागेश्वर, पिथौरागढ आदि स्थानो पर 3-4 हजार रुपये प्रतिग्राम के हिसाब से बेचने वाला था। बताया कि उसका एक पार्टनर साबिर लालपुर किच्छा में रहता है जो वहाँ से रुद्रपुर, हल्द्वानी आदि स्थानों पर स्मैक की सप्लाई करता है। अभियुक्त मुस्ताक अली एवं अकबर अंसारी के विरुद्ध थाना पुलभट्टा में अभियोग पंजीकृत किया गया हैं। उत्तराखंड राज्य में स्मैक बरामदगी के यह अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी है। एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया गया कि एसटीएफ की एएनटीएफ कुमाऊं यूनिट को उत्तर प्रदेश उत्तराखंड बॉर्डर पर ड्रग की बड़ी डिलीवरी होने का गोपनीय इनपुट प्राप्त हुआ था, जिस पर टीम के द्वारा कार्यवाही करते हुए उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे जनपद उधम सिंह नगर के पुलभट्टा थाना क्षेत्र से अन्तर्राज्यीय ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त से ड्रग के सम्बन्ध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है उसके आधार पर आगे कार्यवाही की जायेगी। उत्तराखण्ड के ऐसे इलाके जो पड़ोसी उ0प्र0 राज्य की सीमा से लगे हुए हैं, वहाँ पर उ0प्र0 के ड्रग माफिया द्वारा ड्रग की सप्लाई की जाती है फिर वहाँ से उत्तराखण्ड के छोटे-छोटे ड्रग डीलर उसे पूरे उत्तराखण्ड में सप्लाई करते हैं. इस प्रकार नशे का नेटवर्क चलता रहता है। कल टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है।

भंडारे में जा रहे दो चचेरे भाई नदी के तेज बहाव में बहे, एक शव बरामद

नैनीताल। नैनीताल के कालाढूंगी में भंडारे में जा रहे दो चचेरे भाई नदी के तेज बहाव में बह गए। एक भाई को तो जंगल में गश्त कर रहे बीट वाचरों ने बचा लिया, लेकिन दूसरा भाई बह गया। घटना की सूचना पर तहसीलदार प्रियंका रानी के नेतृत्व में पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुंची। ढाई घंटे की मशक्कत के बाद किशोर का शव घटना स्थल से करीब 800 मीटर दूर नदी में पड़े पेड़ से फंसा मिला। पुलिस ने शव को पंचनामे के बाद पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को नयागांव के जंगल में स्थित प्राचीन मोटेश्वर महादेव मंदिर में भंडारा चल रहा था। जंगल में बौर नदी पार रह रही ग्रामीण आबादी भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने के लिए नदी पार कर मंदिर में पहुंच रही थी। आज कल बरसात की वजह से नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है। इसी बीच दोपहर करीब तीन बजे चचेरे भाई नितिन तिवारी(15) पुत्र राजू तिवारी निवासी पूरनपुर चकलुवा और पंकज तिवारी(16) पुत्र मोहन चंद्र तिवारी भी नदी पार कर मंदिर जाने लगे। जैसे ही दोनों भाई नदी के बीच पहुंचे तो तेज बहाव में बहने लगे। खुद को बहता देख दोनों भाई बचाओ बचाओ करके चिल्लाने लगे।

उत्तराखंड में बारिश का ताडंव 70 दिनों में 132 लोगों की मौत

देहरादून। प्रदेश में बारिश आफत बनकर बरस रही है। मानसून सीजन में अब तक उत्तराखेंड में 70 दिनों में 132 लोग अपनी जान गवां चुके हैं। जबकि कई लोग अब भी लापता हैं। उत्तराखंड में भारी बारिश लोगों की जान पर बन रही है। लागातर हो रही बारिश के कारण जान-माल का नुकसान हो रहा है। मानसून सीजन में एक जून से अब तक 70 दिनों में 132 लोग जान गवां चुके हैं। जबकि अब तक कई लोग लापता हैं। जिनकी तलाश की जा रही है।प्रदेश में हर साल बारिश अपने साथ आफत लाती है। जहां एक ओर पहाड़ों पर बादल फटने और भू-स्खलन और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण नुकसान होता है।तो वहीं मैदानी इलाकों में बाढ़ और नदी-नालों के बढ़े जलस्तर के कारण भी कई लोगों को अपनी जान गवांनी पड़ती है। जहां एक ओर इस बार 70 दिनों में 132 की जान गई है तो वहीं दूसरी ओर पिछले साल जून से सितंबर तक 244 लोगों ने जान गंवाई थी। प्रदेश में एक जून से लेकर अब तक बाढ़, भूस्खलन से लेकर विभिन्न घटनाओं में एसडीआरएफ ने 1226 लोगों की जान बचाई है। इसके साथ ही एसडीआरएफ ने इस साल अब तक 132 शवों को बरामद किया है। जबकि पिछले साल एसडीआरएफ ने 2193 लोगों को रेस्क्यू कर बचाया था।

उत्कृष्ट सेवा के लिए 108 पुलिस कर्मियों को मिलेगा अवार्ड

देहरादून(उद संवाददाता)। स्वतंत्रता दिवस पर उत्तराखंड पुलिस के आठ अधिकारियों- कर्मचारियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए सेवा सम्मान चिह्न, तीन को विशिष्ट कार्य के लिए उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिह्न, 16 को सराहनीय सेवा के लिए सराहनीय सेवा सम्मान चिह्न और 79 अधिकारियों-कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा के लिए सराहनीय सेवा सम्मान चिह्न प्रदान किए जाएंगे। स्वतंत्रता दिवस पर पुलिस के 108 अधिकारियों और कर्मचारियों को पदक से नवाजा जाएगा। इनमें सराहनीय सेवा में मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक के लिए एसटीएफ के हेड कांस्टेबल चमन कुमार को चुना गया है। वहीं, विशिष्ट कार्य के लिए मुख्यमंत्री सेवा पदक इस बार हरिद्वार के कांस्टेबल धीरेंद्र सिंह चौहान को मिलेगा। इनके अलावा आठ अधिकारियों-कर्मचारियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए सेवा सम्मान चिह्न, तीन को विशिष्ट कार्य के लिए उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिह्न, 16 को सराहनीय सेवा के लिए सराहनीय सेवा सम्मान चिह्न और 79 अधिकारियों-कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा के लिए सराहनीय सेवा सम्मान चिह्न प्रदान किए जाएंगे। **उत्कृष्ट सेवा के लिए (सेवा आधार पर) उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिह्न:** डीएसपी सीआईडी चंदन सिंह बिष्ट सहायक कमांडेंट आईआरबी द्वितीय मातवर सिंह इंस्पेक्टर महेश सिंह कुवारबी दल नायक आईआरबी द्वितीय प्रताप सिंह इंस्पेक्टर नरेश चौहान, ऊधमसिंहनगर एसआई राजेंद्र सिंह, घुड़सवार, देहरादून एएसआई मथुरा प्रसाद नौटियाल, एसडीआरएफ हेड कांस्टेबल मनीषा नेगी। **पुलिस मुख्यालय विशिष्ट कार्य के लिए उत्कृष्ट सेवा सम्मान चिह्न :** एसआई अरविंद बहुगुणा, ऊधमसिंहनगर हेड कांस्टेबल महेंद्र सिंह नेगी, एसटीएफ हेड कांस्टेबल राजेंद्र नाथ,एसडीआरएफ **सराहनीय सेवा के लिए (सेवा आधार पर) सराहनीय सेवा सम्मान चिह्न:** डीएसपी सुरेंद्र सिंह सामंत, विजिलेंस दल नायक ओमप्रकाश, पीएसी, 40वीं बटालियन इंस्पेक्टर कमला, पुलिस मुख्यालय इंस्पेक्टर विकास भारद्वाज, साइबर थाना देहरादून गुल्म नायक मनमोहन सिंह, 31वीं बटालियन पीएसी एसआई प्रवीण कुमार, हरिद्वार एसआई अरविंद सिंह, पुलिस मुख्यालय एसआई श्वेता भट्ट, पुलिस मुख्यालय एएसआई त्रिभुवन सिंह, नैनीताल एसआई शमशेर अली, गढ़वाल रेंज कार्यालय हेड कांस्टेबल महावीर सिंह मेहर, पुलिस मुख्यालय लीडिंग फायर मैन डूंगर सिंह, बागेश्वर हेड कांस्टेबल हंसराज सिंह, पुलिस मुख्यालय हेड कांस्टेबल पूरण सिंह, जीआरपी हेड कांस्टेबल कुलदीप सिंह, एसडीआरएफ कांस्टेबल रघुवीर सिंह। **विजिलेंस वशिष्ट कार्य के लिए सराहनीय सेवा सम्मान चिह्न:** कांस्टेबल राजेंद्र सिंह रावत, चमोली कांस्टेबल अजयवीर, टिहरीकांस्टेबल नरेश तोमर, टिहरीएसआई शांति प्रसाद चमोली, टिहरी एसआई नीतू रावत, टिहरी एसआई राजेंद्र सिंह, टिहरी डीएसपी प्रशांत कुमार, उत्तरकाशी कांस्टेबल मोनिका, देहरादूनकांस्टेबल नरेंद्र सिंह रावत, देहरादून एसआई मनोहर भंडारी, हरिद्वार कांस्टेबल निर्मल सिंह रांगड़, हरिद्वार कांस्टेबल सतीश नौटियाल, हरिद्वार हेड कांस्टेबल पंचम प्रकाश, हरिद्वार कांस्टेबल राजेंद्र सिंह, हरिद्वार एसआई भुवन, ऊधमसिंहनगर एसआई कपिल कांबोज, ऊधमसिंहनगर कांस्टेबल सुरेंद्र कांबोज, ऊधमसिंहनगर कांस्टेबल नीरज भोज, ऊधमसिंहनग कांस्टेबल गोकुल लाल, ऊधमसिंहनगर कांस्टेबल दीपा कुंवर, ऊधमसिंहनगर कांस्टेबल कमल सिंह तुलेरा, पिथौरागढ कांस्टेबल बिपिन चंद्र ओली, पिथौरागढ़ कांस्टेबल नवल किशोर, चंपावत कांस्टेबल उमेश राज, चंपावत एसआई कैलाश चंद बिष्ट, चंपावत कांस्टेबल इमरान खान, बागेश्वर डीएसपी विभा दीक्षित, नैनीताल कांस्टेबल चंदन सिंह नेगी, नैनीताल एसआई कुलदीप टाम्टा, साइबर थाना, देहरादून इंस्पेक्टर यशपाल सिंह बिष्ट, एसटीएफ कांस्टेबल रवि पंत, एसटीएफ इंस्पेक्टर ललित मोहन जोशी, साइबर थाना, कुमाऊं हेड कांस्टेबल जगपाल सिंह, साइबर थाना, कुमाऊं एसआई आशीष गुसाईं, साइबर थाना, देहरादून कांस्टेबल विरेंद्र चौहान, एसटीएफ इंस्पेक्टर मनीष जुयाल, इंटेलीजेंस मुख्यालय एसआई अनिता नेगी, देहरादून हेड कांस्टेबल गीतम सिंह, हरिद्वार हेड कांस्टेबल शर्मिला बिष्ट, हरिद्वार एसआई मनीष सिंह नेगी, टिहरी एसआई प्रेम बाबू, टिहरी एसआई रणवीर सिंह रमोला, पौड़ी एसआई वेद प्रकाश, पौड़ी कांस्टेबल अमरजीत, पौड़ी एसआई दिलमोहन बिष्ट, उत्तरकाशी ट्रैफिक इंस्पेक्टर राजेंद्र नाथ, उत्तरकाशीडीएसपी विमल रावत, रुद्रप्रयाग डीएसपी हर्षवधनी सुमन, रुद्रप्रयाग एसआई सूरज कंडारी, रुद्रप्रयाग कांस्टेबल राजेश कुमार, रुद्रप्रयाग एसआई कुलवेंद्र सिंह, रुद्रप्रयाग एसआई नरेंद्र सिंह कोठियाल, चमोलीडीएसपी नताशा सिंह, चमोली एसआई लक्ष्मी प्रसाद बिजल्वाण, चमोली कांस्टेबल ललितराम, नैनीताल कांस्टेबल रंजीत सिंह मेहता, ऊधमसिंहनगर एसआई हेमंत सिंह कठैत, चंपावत कांस्टेबल रेनू गौतम, अल्मोड़ा कांस्टेबल बलदेव सिंह, 31वीं बटालियन, पीएसी कांस्टेबल राकेश दास, एलआईयू पौड़ी ट्रैफिक इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार, देहरादूनइंस्पेक्टर मनोज नैनवाल, हरिद्वार एसआई विनोद कुमार, टिहरी हेड कांस्टेबल लक्ष्मीकांत, सीसीटीएनएस पुलिस मुख्यालय एसआई राजेश सिंह, चमोलीकांस्टेबल हरजीत सिंह, नैनीतालकांस्टेबल डौली जोशी, ऊधमसिंहनगर एसआई जसविंदर सिंह, अल्मोड़ाकांस्टेबल सोबन सिंह, बागेश्वरलीडिंग फायर मैन त्रिलोक राम, बागेश्वर फायरमैन प्रकाश चंद्र, बागेश्वरफायरमैन पवन कुमार, बागेश्वर इंस्पेक्टर ललिता नेगी, एसडीआरएफएसआई विजय प्रसाद रयाल, एसडीआरएफ कांस्टेबल अनमोल सिंह, एसडीआरएफ फायरमैन सुमित नेगी, एसडीआरएफ एसआई प्रीति शर्मा, पुलिस मुख्यालय एएसआई यजुवेंद्र सिंह, पुलिस मुख्यालय डीएसपी शांतनू पाराशर, पुलिस मुख्यालय।

पेज एक का शेष...

खत्म होगा राष्ट्रद्रोह कानून...उन्होंने कहा कि 18 राज्यों, छह यूटी, भारत की सुप्रीम कोर्ट, 22 हाईकोर्ट, न्यायिक संस्थाओं, 142 सासंद और 270 विधायकों के अलावा जनता ने भी इन विधेयकों को लेकर सुझाव दिए हैं। चार साल तक इस पर काफी चर्चा हुई है। हमने इस पर 158 बैठकें की हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज मैं जो तीन विधेयक एक साथ लेकर आया हूं, वे सभी पीएम मोदी के पांच प्रणों में से एक को पूरा करने वाले हैं। इन तीन विधेयक में एक है इंडियन पीनल कोड, एक है क्रिमिनल प्रोसीजर कोड, तीसरा है इंडियन एविडेंस कोड। इंडियन पीनल कोड 1860 की जगह, अब भारतीय न्याय संहिता 2023 होगा। क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 प्रस्थापित होगी और इंडियन एविडेंट एक्ट, 1872 की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम प्रस्थापित होगा। वहीं सदन में अमित शाह ने कहा कि दाऊद इब्राहिम काफी समय से भगोड़ा है। अब हमने तय किया है कि सत्र न्यायालय के जज जिसे भगोड़ा घोषित करेंगे, उसके अनुपस्थित रहने पर भी उसके मामले में सुनवाई होगी और उसे सजा होगी। उसे सजा से बचना हो तो भारत आए और केस लड़े। सदन में केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद किरण रिजिजू ने कहा कि विपक्षी दलों ने पिछले कई दिनों से मणिपुर का बहाना करके संसद को चलने नहीं दिया। कल जब प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर और पूरे पूर्वोत्तर पर बहुत अच्छी तरह से अपनी बात रखी तब विपक्ष ने वॉकआउट किया।

अतीक और अशरफ हत्याकांड....जब अतीक और अशरफ को कॉल्विन अस्पताल में मेडिकल चेकअप के लिए लाया गया था, तभी तीनों शूटर अरुण मौर्य, लवलेश तिवारी और सनी सिंह ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाना शुरू कर दिया। घटना में दोनों भाइयों की मौके पर मौत हो गई थी। इस घटना से दो दिन पहले अतीक का बेटा असद एनकाउंटर में मारा गया था। इस मामले में अतीक का परिवार सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। बहन आएशा नूरी और वकील विशाल तिवारी ने याचिका में डबल मर्डर की जांच के लिए रिटायर्ड जज के नेतृत्व में कमेटी गठित करने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि यह सिर्फ हाई प्रोफाइल केस का मामला नहीं है। ऐसी घटनाएं जेल में भी हो रही हैं। वो कौन लोग हैं जो ट्रैक करते हैं? जेल से एक नेक्सस यानी मिलीभगत के जरिए काम किया जा रहा है। इस पर यूपी सरकार के वकील ने कहा कि अतीक अहमद मामले में एसआईटी चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। मामले में 3 लोगों को आरोपी बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को मामले को टालने की मांग पर फटकार लगाई। यूपी सरकार ने कहा कि हम मामले में याचिका पर विस्तृत जवाब दाखिल करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें बताएं कि इसको लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देश क्या हैं? एक याचिकाकर्ता वकील विशाल तिवारी ने कहा कि पुलिस पर भी आरोप लगाए गए हैं। लोगों का विश्वास बहाल करने की भी जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- लोगों का भरोसा कैसे बहाल करेंगे? क्योंकि पुलिस तो वही है, जिनकी निगरानी में जेल में भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि एनकाउंटर के केसों की मॉनिटरिंग के लिए मैकेनिज्म क्या है? उन केसों की मॉनिटरिंग कैसे की जाती है? अतीक की बहन आएशा नूरी के वकील ने कहा कि अतीक-अशरफ मामले में जांच आयोग का गठन किया है। उसके बेटे असद के मामले में भी अलग जांच आयोग का गठन किया गया है। उनकी जांच में अब तक क्या हुआ, यह बात किसी को पता नहीं है।

जलभराव के खिलाफ... निर्माण कराए जाने की मांग किए जाने के बावजूद भी नगर पालिका द्वारा कोई भी कार्य नहीं कराया जा रहा है। यही नहीं गलियों की सड़कों में जलभराव के कारण बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिससे दुपहिया वाहन चालकों को चोटिल होना पड़ रहा है किंतु सड़क निर्माण और निर्माण का कार्य नगर पालिका नहीं करवा रही है। उन्होंने कहा कि जब तक वार्ड वासियों की समस्या का निराकरण नहीं हो जाता नगर पालिका मैं धरने को समाप्त नहीं किया जाएगा। वहां मौजूद लोगों की मांग थी कि नगर पालिका जलभराव की समस्या का जब तक समाधान नहीं हो जाता वार्ड वासी घर नहीं जाएंगे।धरना देने वालों में मुख्य रूप से चंदन जयसवाल, राजीव सक्सेना, राजीव कोहली, राजकुमार कोहली, देवेंद्र शर्मा, हीरा सरकार, रमन कोहली, नोला मंडल, कन्यवती, कल्पना, पूनम रानी, गुलशन कुमार, पंकज कुमार, अनिल शर्मा, उमेश, पिंकू, रानू दल मधु, पुष्पा, मोरगली, शोभा, नीलम, काजल सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे। सभासद रजी ने भी धरने को अपना समर्थन दिया।

बोलेरो नदी में गिरने से ...भर्ती किया गया है। वहीं नदी के तेज बहाव में एक जवान लापता है। पुलिस व एनडीआरएफ की टीमें लापता जवान की तलाश में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस दर्दनाक सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति के लिए प्रार्थना की है और शोकग्रस्त परिवारजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। मुख्यमंत्री की ओर से जिला प्रशासन को घायलों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के निर्देश जारी किए गए हैं। चंबा पुलिस के मुताबिक,बोलेरो में हिमाचल की पुलिस बटालियन के नौ जवान और दो स्थानीय लोग सवार थे। हादसे का पता लगते ही तीसा पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर राहत व बचाव कार्य शुरू किया।

बजट की से अटके....अलावा शौचालय घर-घर बनवाए गए हैं विभिन्न स्थानों का कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था की गई है। सरकार द्वारा नगर पालिका का विस्तारीकरण किया गया तथा आसपास का बहुत सारा क्षेत्र नगर पालिका में सम्मिलित किया गया किंतु क्षेत्र के विकास के लिए अतिरिक्त धनराशि की व्यवस्था सरकार द्वारा नहीं की गई है जिस वजह से सीमित संसाधनों की वजह से सीमित कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह संपूर्ण नगर पालिका के अध्यक्ष हैं तथा प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास किया जाना उनका कर्तव्य है। किंतु सीमित संसाधनों से किए गए कार्य सीमित ही रह जाते हैं फिर भी नगर पालिका द्वारा सुनहरा वार्ड में 3 करोड़ 15 लाख से नाली सड़क आदि का निर्माण कराया गया है। वार्ड वासियों की समस्या जायज है। उनका प्रयास है कि छूटे हुए कार्य भी शीघ्र कराए जाएं किंतु धनभाव की स्थिति मै सभी कार्य एक साथ कराया जाना संभव नहीं है। विपक्षी दल लगातार विकास कार्यों में दखल देते रहते हैं। वार्ड वासियों की जल निकासी की समस्या का समाधान जल्द किया जाएगा किंतु निर्माण कार्यों के लिए समय लगेगा। उन्होंने कहा कि यदि सरकार अतिरिक्त धनराशि और अवमुक्त कर दे तो निर्माण कार्य भी शीघ्र कर दिए जाएंगे।

फरार शातिर...एक अभ्यस्त और शातिर अपराधी है जिसके विरुद्ध लूट डकैती और जानलेवा हमले के कई संगीन अपराध पंजीकृत है। अभियुक्त पिछले लंबे समय से फरार चल रहा था। उसके कब्जे से लोडेड 01 देशी तमंचा 12 बोर और 01 जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ। अभियुक्त के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस टीम में बरा चौकी प्रभारी पंकज कुमार, हे०का० रमेश सती,का० इन्द्र प्रकाश, का० अनिल कुमार शामिल थे।

संदिग्ध महिला की...पुलिस की वर्दी बरामद की थी। जिसके बाद पुलिस उससे कड़ी पूछताछ शुरू कर दी। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोबारा उसके के कमरे की तलाश लीऔर कमरे से एक माउजर बरामद किया। पुलिस के मुताबिक फर्जी पुलिस वाले के साथ पिथौरागढ़ की एक महिला भी रहती थी। जो फरार हो गई है। सीओ सिटी अनुषा बडोला ने बताया कि फरार महिला को पकड़ने के लिए पुलिस निरंतर जुटी हुई है।

बार अध्यक्ष की गिरफ्तारी...मुकेश मिश्रा, पियूष पंत, राधेश्याम शुक्ला, केएन मिश्रा, शिव कुमार, अजय यादव, सुरेन्द्र नरूला, गुरबाज सिंह,माखन सिंह, अजय नारायण,शाहिद हुसैन व सुरेन्द्र गिरधर सहित सैकड़ों की संख्या में अधिवक्तागण मौजूद थे।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक-परमपाल सुखीजा समाचार सम्पादक-जगदीश चन्द्र
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

विदेश भेजने के नाम पर ठगी रोकने के लिए एकजुट हुए कई संस्थान

फर्जीवाड़ा रोकने के लिए उधम सिंह नगर ओवरसीज कंसलटेंट सोसायटी का किया गठन

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले प्रतिष्ठानों से निपटने के लिए अब इस व्यवसाय से जुड़े कई प्रतिष्ठान एकजुट हो गये हैं। ओवरसीज कंसलटेंट प्रतिष्ठानों ने उधम सिंह नगर ओवरसीज कंसलटेंट सोसायटी के नाम से संगठन का गठन किया है। जिसके संयोजक गुरजिंदर सिंह सिद्धू बनाये गये है। यह संस्था विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वालों का पर्दाफाश करेगी और ठगी से लोगों को बचाने के लिए जागरूकता अभियान चलायेगी। संस्था की कार्यकारिणी का गठन शीघ्र ही किया जाएगा। एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में उधम सिंह नगर ओवरसीज कंसलटेंट सोसायटी के गठन की घोषणा की गयी। संयोजक गुरजिंदर सिंह सिद्धू ने बताया कि संस्था की कार्यकारिणी की घोषणा जल्द ही की जाएगी। फिलहाल इस संगठन से दो दर्जन से अधिक प्रतिष्ठान जुड़ चुके हैं। जनपद के अच्छी छवि वाले अन्य प्रतिष्ठानों को भी शीघ्र ही संस्था से जोड़ा जायेगा। गुरजिंदर सिंह सिद्धू ने कहा कि विदेश भेजने के नाम पर ठगी के मामले पिछले कुछ समय से बढ़े हैं। कुछ प्रतिष्ठान पैसा कमाने के लालच में नियमों को ताक पर रखकर धोखाधड़ी कर रहे हैं। ऐसे प्रतिष्ठानों की वजह से सभी प्रतिष्ठान बदनाम हो रहे हैं। चंद गलत लोगों की वजह से सभी प्रतिष्ठानों को 'कबूतरबाज' कहा जा रहा है जो आपत्तिजनक और निंदनीय है। श्री सिद्धू ने कहा कि कुछ गलत लोगों की वजह से पूरी इंडस्ट्री को बदनाम नहीं किया जा सकता। जो भी प्रतिष्ठान फर्जी काम कर रहा है उसके खिलाफ निसंदेह सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ताकि किसी का भविष्य और मेहनत से कमाया गया पैसा बर्बाद न हो। उन्होंने कहा कि उधम सिंह नगर के कई ओवरसीज प्रतिष्ठान पिछले कई वर्षों से अच्छा काम कर रहे हैं। इन प्रतिष्ठानों के माध्यम से कई युवा विदेशों में अपना भविष्य चमका चुके हैं। ऐसे में सभी को एक लाठी से हांकना ठीक नहीं है। श्री सिद्धू ने कहा कि विदेश भेजने के

नाम पर हो रही ठगी को रोकने और पारदर्शिता के साथ लोगों को अच्छी सेवाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से ही उधम सिंह नगर ओवरसीज कंसलटेंट सोसायटी का गठन किया गया है। यह संस्था सभी प्रतिष्ठानों को एक मंच पर लाने के साथ ही धोखाधड़ी करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ एक्शन भी लेगी इसके लिए पुलिस प्रशासन का सहयोग भी लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य विदेश में नौकरी और शिक्षा के लिए जाने वालों को बेहतर और पारदर्शी सेवाएं देना है। इसके लिए संस्था प्रतिबद्ध रहेगी। संस्था का मुख्य ध्यान छात्रों के विदेश जाने के लिए पूरी जानकारी देने के साथ ही स्टूडेंट विजा प्राप्त करने की जटिल प्रक्रिया में उनकी सहायता करने पर केंद्रित है। संस्था युवा पीढ़ी के विदेश में जाकर कैरियर संवारने के सपने को पूरा करने के लक्ष्य को साकार करने में हर कदम पर साथ देगी। श्री सिद्धू ने कहा कि विदेश भेजने के लिए अपनी सेवाएं दे रहे प्रतिष्ठान छात्रों और उनके अभिभावकों के भरोसे पर खरा उतरें इसके लिए संस्था भविष्य में महत्वपूर्ण कदम उठायेगी। जिसके तहत जागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को सही जानकारी दी जायेगी और धोखाधड़ी करने वालों से बचने के लिए सावधान किया जायेगा। श्री सिद्धू ने कहा कि ओवरसीज संस्थान छात्रों को विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करते हैं। ऐसे में अभिभावकों को सही जानकारी होना जरूरी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी संस्था से जो भी प्रतिष्ठान जुड़े हैं वह बेदाग हैं किसी पर अभी तक धोखाधडी का कोई आरोप नहीं है। जिन भी प्रतिष्ठानों पर धोखाधड़ी जैसे आरोप लगे हैं उन्हें संस्था में शामिल नहीं किया जायेगा। साफ सुथरी छवि वाले प्रतिष्ठान ही इस संस्था की सदस्यता ले पायेंगे। संस्था का अपना बॉयलाज है जिसकी शर्तें पूरी करने के बाद ही सदस्यता मिलेगी। श्री सिद्धू ने विदेश भेजने की तैयारी कर रहे युवाओं और उनके अभिभावकों से भी अपील की है कि वह गलत प्रतिष्ठानों के जाल में न फंसे। बल्कि पूरी छानबीन के बाद ही विदेश जाने की प्रक्रिया पूरी करें। उन्होंने कहा कि विदेश में पढ़ाई करने वाले छात्रों से कोई भी ओवरसीज प्रतिष्ठान नगद पैसा नहीं ले सकता। छात्र या अभिभावक के एकाउंट से ही विदेशों में शिक्षण संस्थान को पैसा ट्रांसफर किया जाता है। कोई प्रतिष्ठान यदि फीस आदि कैश लेता है तो समझ लें कि वह धोखाधड़ी कर रहा है। श्री सिद्धू ने कहा कि धोखाधडी से लोगों को बचाने के लिए जल्द ही संस्था जागरूकता कार्यक्रम चलायेगी। फर्जी संस्थानों का पर्दाफाश किया जायेगा। इसके लिए पुलिस प्रशासन के साथ तालमेल बनाने के लिए जल्द ही डीएम और एसएसपी से भी संस्था के पदाधिकारी मुलाकात करेंगे। पत्रकार वार्ता में गुरविंदर सिंह ढिल्लो, लखविंदर सिंह, गुरविंदर सिंह संधू, सचिन गुंबर, सुखविंदर सिंह, जगरूप सिंह ढिल्लो, बलराज सिंह संधू, गुरजीत सिंह, गुरमुख सिंह, गुरप्रताप सिंह, तेजवीर सिंह, विक्रम सिंह विर्क, गुरविंदर सिंह गौराया, कुलजीत सिंह, गुरपिंदर सिंह आदि भी मौजूद थे।

डीएम ने लगाई बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने पर रोक

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 10 अगस्त से 14अगस्त तक राज्य के जनपदों चम्पावत, नैनीताल, एवं उधम सिंह नगर में कुछ स्थानों में भारी से बहुत भारी वर्षा तथा कहीं कहीं अत्यन्त भारी वर्षा के साथ-साथ कहीं कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने / वर्षा के अति तीव्र से अत्यन्त तीव्र दौरे होने की सम्भावना व्यक्त की गयी हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट के दृष्टिगत जिलाधिकारी उदयराज सिंह ने आईआरएस से में नामित सभी कार्मिकों को हाई अलर्ट मोड में रहने, अपनेख्र अपने कार्य क्षेत्र में बने रहने के आदेश दिए। इस दौरान कोई भी अधिकारी मुख्यालय नहीं छोडेंगे अति आवश्यक कार्य होने पर ही जिलाधिकारी की संस्तुति उपरान्त ही मुख्यालय छोडे जाने की अनुमति प्रदान की जायेगी। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को आपस में समन्वय बनाये रखने, किसी भी आपदा या दुर्घटना की स्थिति में त्वरित स्थलीय

कार्यवाही करते हुए सूचनाओं का तत्काल आदान-प्रदान करने के आदेश दिए। उन्होंने किसी भी मोटर मार्ग के बाधित होने की दशा में उसे तत्काल खोलने की कार्यवाही करने के आदेश संबंधित अभियंताओं को दिए। उन्होंने यह भी आदेश दिए कि समस्त राजस्व उपनिरीक्षक, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी अपने क्षेत्रों में बने रहेंगे एवं बाढ के दृष्टिगत संवेदनशील क्षेत्रो से लोंगो को सुरक्षित आश्रय स्थलों पर भेजन हेतु पूर्व में ही आवश्यक प्रबन्ध एवं कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने आदेश दिए कि समस्त चौकी/थाने/ अग्निशमन एवं आपात सेवाए भी आपदा सम्बन्धी उपकरणों एवं वायरलैस सहित हाई अलर्ट में रहेगें। डीएम ने इस अवधि में किसी भी अधिकारी एवम कर्मचारी के मोबाईल फोन स्विच ऑफ नहीं रखने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि आदेश का अनुपालन न किये जाने की दशा में आपदा प्रबन्धन अधिनियम, 2005 की सुसंगत धाराओं के तहत विधिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। जिलाधिकारी ने आदेश दिए कि विद्यार्थियों की सुरक्षा के दृष्टिगत विद्यालयों में सावधानी बरती जायें। जिलाधिकारी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक स्तर पर तत्परता बनाये रखते हुये सावधानी एवं आवागमन में नियंत्रण बरता जाये। किसी भी आपदा की सूचना जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र के फोन नम्बरों 05944-250719, 250250 250823 टोल फ्री नं0-1077 पर तत्काल साझा की जाए।

हजारों की नगदी सहित छह जुआरी गिरफ्तार

हल्द्वानी। बनभूलपुरा थाना पुलिस ने चौकिंग के दौरान सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते हजारों रुपए की नगदी व ताश पत्तों सहित छह जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थानाध्यक्ष बनभूलपुरा नीरज भाकुनी के नेतृत्व में

बनभूलपुरा पुलिस टीम द्वारा बीती रात्रि चौकिंग के दौरान 6 जुआरियो को सार्वजनिक स्थान में ताश के पत्तो से जुआ खेलते हुए गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से 7330 रुपये बरामद और ताश पत्ते बरामद किए।सभी जुआरियों के विरुद्ध 13 जुआ अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस टीम में उनि विरेन्द्र चन्द्र, कानि. मो. यासीन, भूपेन्द्र जेठा, रिजवान अली, दिलशाद अहमद तथा मुन्ना सिंह शामिल थे।

गुरू माँ उत्तराखंड की सबसे बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन
SONY Whirlpool SAMSUNG IFB Haier BOSCH VOLTAS
DAIKIN HITACHI MITSUBISHI ELECTRIC GENERAL LLOYD BLUE STAR
गर्मियों में ठंड जैसी राहत
गुरू माँ
36 महीने तक की EMI उपलब्ध
Budget Ac
Premium Split Ac
Mid-Range Split Ac
Heavy-Duty Split Ac
Refrigerator की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Deep Freezer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
RO Purifier की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Water Dispencer की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Air Cooler की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध
Easy EMI Options Available
गुरू माँ GURU MAA ENTERPRISES
RUDRAPUR- Civil Line +91-9927882338, Kashipur Bypass +91-9690282777 , Kashipur Bypass +91-9756233166 , Sony Center +91-9917170230 KASHIPUR- Ramnagar Road +91 8791989500, Cheema Chauraha +91 9927813555 HALDWANI- Tikonia +91-9997207007, Pilikothi +91-8923468434, Pilikothi +91-9690256666, HARIDWAR- Haridwar +91-9761699704 MORADABAD- Moradabad +91-7500839146, GADARPUR- Near Super Market +91-9927850999, KICHHA- Kichha +91-7017595920, LOHAGHAT- Daak Bangla Road +91-9568035735 DEHRADUN- Kaluagarh Road +91-8394949454 PANIPAT- West Market Opp. Central Bank +91-8607964000 KARNAL-Mangal Singh Market +91-8684077000 , 49 Ram Nagar +91-8908350000
सेल्स एवं सर्विस हेतु कॉल करें - 8791989500, 9927882338